जन हित में नई सोच, सही फैसले...
खुशहाल राजस्थान, खुशहाल राजस्थानी
शिक्षा वहीं जो सही–गलत में अन्तर समझाए – उपराष्ट्रपति

परामर्शपति श्री वैजय नायडू ने कहा कि शिक्षा का महत्व तभी है, जब वह विद्यार्थियों में सही–गलत और नैतिक–अनैतिक के बीच का अंतर समझाने का विचक भूमिका करे। उन्होंने कहा कि हम विश्व में कहीं भी रहे हों, हम अपनी मातृभाषा, सम्पत्ति और संस्कृति को हरभर याद रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि दीर्घायु समारोह किसी संस्थान और उसके विद्वानों के लिए एक महत्वपूर्ण मौका है और वह शिक्षा का अंतिम पदार्थ है। उन्होंने विद्वानों से कहा कि यह याद रखें कि शिक्षा में कोई पूर्ण विषय नहीं होता इसीलिए अपने ज्ञान को सशस्त्र अपेक्षा करना रहना चाहिए।

श्री नायडू ने 6 जनवरी को जयपुर में मालवीय राष्ट्रीय प्रोफेसरी संस्थान के 12 वें दीर्घायु समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न स्वामी गदन मोहन मालवीय महान स्वतंत्रता सेनानी और शिक्षाविद थे, सत्य के प्रति उनकी निश्चितता के लिए भूमिका का जीत रही है। उन्होंने कहा कि विद्वानों ने खुद को बैशाख स्तर तक से जाना भी था। वे व्यास लैंड बन पाएं। ज्ञान ही वह शक्ति है जिसपर अपने जीवन, समाज और देश में सकारात्मक परिवर्तन का सक्रिय हो सकता है। उन्होंने कहा कि युवा देश की गौरवशाती परम्परा के उत्तराधिकारी हैं। उन्हें अपने इतिहास से सीखना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विद्वानों को खिड़की के दौरान ही योजनाओं, पंचायतों और नगर निगमों को देखना चाहिए। उनकी नई सीमा और ज्ञान का महादेश देश–प्रदेश को आगे बढ़ाने में मिलें। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए हमारे देश में अन्तर समझाना है। वे अपने विचार से ऐसा मार्ग चुनें जो न केवल उनके कैरियर को नई उंचाईयों पर ले जाए बल्कि मानवता के कल्याण की रह भी प्रस्ताव करें।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. आर. याज्ञवल्लास ने संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश दाला और बताया कि दीर्घायु समारोह के अवसर पर कुल 35 स्वर्ण पदक, 57 डॉक्टरेट, 687 बैचलर एवं 354 मास्टर्स की खिड़की प्रदान की गई। संस्थान की भौगोलिक नवरूप की अध्यात्मिक चिन्ता संयुक्त सरकार ने कहा कि यह संस्थान देश के प्यूटिन हैं रेडेंड संस्थानों में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारा पूरा प्रयास है कि यह संस्थान शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में वैश्विक मान्यता पर और भी उंचाइयों प्राप्त करें। इस अवसर पर उद्योग मंत्री रामपाल सिंह शेखना, शिक्षाविद, गणमान्यता एवं बड़ी संस्थान में विद्वान और उनके परिदृश्य उपस्थित थे।
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान का मासिक
वर्ष 27 : अंक 1
जनवरी, 2018

रिफाइनरी

संवाद 4

दिल्ली दावरी

वनस्पति विभागीय का 34 वां दीक्षा त्याग 18

राजस्थान दावरी

बालिकाओं में जोगान आयुष्मान विश्वास 20

40

जल स्वाभाविक बना राजस्थान 47

42

सत्य होता सुरुज संकल्प

जल प्रबंधन कौशल का प्रतीक 50

जल प्रबंधन कौशल का प्रतीक 50

राज्य के हैंडेड उत्तादी और खादी... 52

34

पिछले आस्था के धाम 54

कला और शिल्प
नए वर्ष और गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

नए साल की दस्तक के साथ ही नए सपनों और आशाओं के साथ चुनौतियों का आगमन भी होता है। विगत से सीख ले कर इन नई चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें स्वयं को तैयार करना जरूरी है ताकि हम अपने और राज्य के विकास के लिए देखे सपनों और आशाओं को पूरा कर सकें।

हम सबने मिलकर प्रतिबद्धता के साथ गत चार वर्षों में प्रदेश को उन्नति की नई परवाज दी है। राज्य ने पिछँड़न के दाग को धोकर प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ है।

यह सब राज्य की जनता, प्रशासन और नेतृत्व की इच्छा शक्ति, परिश्रम और कर्तव्य पर्यायता का ही परिणाम है।

आज देश, दुनिया और हमारे आल्पास नई-नई चुनौतियों खड़ी हैं। विकास के साथ-साथ समाज में कई विसंगतियां भी आ रही हैं। हमें इन सबका सामना करते हुए विकास के मार्ग पर आगे बढ़ना है।

मंजिलें अभी और भी हैं। हमें अभी कई क्षेत्रों में अपनी कमियों को दूर करना है। अभी कई सीमाएं पार करनी बाकी हैं।

जरूरी है कि हम सब संकल्प, निश्चय, दृढ़ता और प्रतिबद्धता से आगे बढ़ने के लिए कदम से कदम मिलाएं ताकि राजस्थान को देश का सबसे अधिक समृद्ध, विकसित और ग्रामीण राज्य बना सकें। इन विसंगतियों और चुनौतियों के खिलाफ हमें विजय प्राप्त करनी है तभी राजस्थान प्रगति की राह पर आगे बढ़ेगा। आइए! मिलकर साथ चलें, प्रगति के पथ पर आगे बढ़ें।

(अनुप्रेरणा सिंह कुंतल)
राजस्थान में पश्चिम से निकला ऊर्जा का नया सूरज...

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया बाइप्लेन जिले के पपपदरा में 43,219 करोड़ की राजस्थान रिफाइनरी के ऐंथिहासिक कार्य का शुभारम्भ

कर सक्रांति पर सूरज के उत्तरारण होने के साथ ही वैदिक परम्परा अनुसार शुभ कार्यों की शुक्लान्ति के अन्तर सितसिते के सुयोग बनता है।

इसी क्रम में पश्चिमी राजस्थान के रीमार्कल व रेगिस्तानी बाइप्लेन जिले के पपपदरा गांव में 43,219 करोड़ रु. की लागत से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हाथों से देश की आधुनिकतम एवं प्रथम रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्पनियों के ऐंथिहासिक कार्य का शुभारम्भ होने के साथ ही राजस्थान में पश्चिम दिशा से विकास का नया सुरुज निकला है और इस रथ के बाहक बने...... प्रदेश की मुख्यमंत्री श्रीमती बलवत्ता राजे व केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उन्होंने पूर्वी टीम। श्री मोदी ने राजस्थान सरकार और एच पी सी एल की इस संयुक्त परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए दोनों की दृढ़ इच्छा के लिए दोनों की दृढ़ इच्छा के लिए किया गया था। प्रधानमंत्री श्रीमती राजे द्वारा राज्य के हिल्टों को सवाली पर स्वतंत्रता प्रयासों का अभिलाषा पहलने के लिए किया गया था। अभिलाषा प्रयासों को सराहा।

प्रधानमंत्री ने इसे पश्चिमी राजस्थान की तकदीर और तस्वीर बदलने वाला कदम बताते हुए आजादी के 75 वें वर्ष में देश को नई ऊर्जा में देने वाला स्वयंचर स्वतंत्रता को निर्मित किया है।

वही केंद्रीय पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और कॉम्पार्निकल किस्सा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ऑयल, गैस, विज्ञान पार्क, सिनादर्व और सोनर ऊर्जा की प्रगति के चलते इस मर्यादा में एक नए शक्ति पोर्ट के अनुयाय के साथ ही स्वतंत्रता से स्वतंत्र स्वतंत्रता की स्थापना करने की धोषणें भी की है। साथ ही इस क्षेत्र में तेल के साथ जल के विनम्र बंदरों की सुविधाओं के मर्यादा तुलस सरकार की खोज के प्रयासों को भी तेज बनाने की बात कही।

कुछ वर्षों पहले जब राजस्थान के धार रेगिस्तान के घोरों को चीरी कर तेल कम्पनियों द्वारा बाइप्लेन जिले में तेल के अधिक बंदर होने का रहस्योद्घाटन किया गया था, तब जल के बंदर मौजूद होने के संकेत लिए थे। सरकार के प्रयास खेते पानी को चेताते, पशुपतन और पेयजल की दृष्टि से अनूठी बनाने की दिशा में भी राजस्थान सुरक्षित है।

<table>
<thead>
<tr>
<th>कर</th>
<th>43,129 करोड़ का विरोध के बाद का धिल 43,129</th>
<th>प्रदेश को होगी 34,000 करोड़ की अधिक शिकायत और रिक्तियां</th>
<th>प्रधानमंत्री व राजे के हस्ते में पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल के प्राकृतिक गैस</th>
<th>प्रधानमंत्री ने राजस्थान के भीतर जल के हस्ते के लिए एंडकॉनकर</th>
<th>राजस्थान के राज वि.सी. व्यवसाय के साथ धारा की दिशा में बढ़ रहे हैं।</th>
<th>वर्ष 2022-23 में राजस्थान के भीतर बढ़ रहे हैं।</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>जनवरी, 2018, राजस्थान सुरक्षा</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
बाड़मेर की धरती से पूरे देश को मिलेगी ऊर्जा – प्रधानमंत्री रिफाइनरी राजस्थान और राजस्थानियों की सबसे बड़ी जीत-मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि बाड़मेर की धरती पर लगने जा रही रिफाइनरी न केवल राजस्थान की तरीके और तकदीर बदलेगी बल्कि यह पूरे देश को ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि 2022 में जब पूरा देश आजादी का 75 वां वर्ष मना रहा होगा तब राजस्थान से देश को नई कुर्सियों मिलनी शुरू हो जाएगी। मरू भूमि में जब इतना बड़ा उद्योग लगेगा तो लाखों लोगों की रोजी-रोटी का प्रबन्ध होगा और इस क्षेत्र का आर्थिक परिदृश्य बदल जाएगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 16 जनवरी को मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे एवं केंद्रीय राष्ट्रीय जलवायु विभाग के मंत्री मुख्यमंत्री रिफाइनरी के कार्य शुभारंभ समारोह को समाप्त कर दिया था।

बन रेंक बन पेंशन का वादा पूरा किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार बनने से पहले ही हमने वादा किया था कि अगर हमारी सरकार बनी तो हम देश में
हमारे पूर्व सैनिकों के लिए वन रैक वन पेंशन लगौ करेंगे। हमने अपने बाद की पूरी करने हुए चार किस्मों में 10,700 करोड़ रुपए पूर्व सैनिकों के खातों में पट्टियाँ दिए हैं। शेष राशि में शीघ्र दे दी जाएगी।

प्रधानमंत्री ने अपने उद्घोषण के दौरान बाइमेन के संत महिलानाथ, टुमसाराम, ईश्वरदास, नागार्ची माता, भटियार्ची माता सहित अन्य संतों को ननन किया। उन्होंने कहा कि यहाँ के स्वतंत्रा सेनानी गुलाबचन्द्र सालेखर ने नमक सत्याग्रह में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने रिमोट से रिफाइनरी कार्य शुभारम्भ पोटिका का अनुमोदन किया।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने पचपदरा रिफाइनरी परियोजना के कार्य शुभारम्भ समारोह में कहा कि 40 हजार करोड़ रुपये की क्षमता कर लगाई जा रही है रिफाइनरी सभी मानवों में राजस्थान और राजस्थानियों की सबसे बड़ी जीत है। बड़ी संख्या में उपस्थित जनसंगठन के समक्ष प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए श्रीमती राजे ने कहा कि आज राजस्थान के लिए ऐतिहासिक क्षेत्र है।

रेस्टोरेशन की मिट्टी को सोने में बदलने वाली इस परियोजना की परिक्रमणा भी हमारे पिछले शासन काल में सुरु हुई थी जब इस क्षेत्र में तेल के पहले कुएं मंगला को चालू किया गया था और आज रिफाइनरी के कार्य का शुभारम्भ भी प्रधानमंत्री कर रहे हैं।

रेट ऑफ रिटर्न में कराया दो गुना फाइयर
हमने जो एमओ, किया उसमें एक रूपये पर 12 रूपये का फाइयर हो रहा है। इतना ही नहीं यह प्लांट पहले से भी ज्यादा आधुनिक है और बाइमेन के अलावा दूसरे क्षेत्रों में भी विकसित हो रहा है।

4 साल में पांच गुना बढ़ा सोलर एनर्जी उत्पादन
श्रीमती राजे ने कहा कि हमने नई सौर ऊर्जा नीति के जरिए किसानों को विकास में भागीदार बनाया। उन्होंने कहा कि अने
वाले एक साल में 2255 मेगावाट के सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ ही भड़ला विश्व का सबसे बड़ा सोलर पार्क बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जैसलमेर के नोख में 1 हजार मेगावाट के एक अन्य सोलर पार्क की स्थापना की जाएगी। इसके अलावा रिफाइनरी प्रोजेक्ट में स्थानीय युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए बायोमेच्लिन आईडीटीआई में रिफाइनरी और पेट्रो केमिकल्स के क्षेत्र में कौशल प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर जैसलमेर-बाईरे क्षेत्र रेल लाइन के माध्यम से मूंगड़ा पोर्ट तक जुड़ जाए तो इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बायोमेच्लिन क्षेत्र में हेल की सतह के ऊपर शूल का भंडार है। यदि इस जल का परिशोधन कर इसे उपयोग योग्य बनाने की कोई परिशोधना बनाई जाए तो यहां की पानी की समस्या भी दूर हो सकेगी।
मुख्यमंत्री ने कहा कि इस इलाके में पेयजल की कमी को देखते हुए हमने पूर्व में पोकर्ण-फलसूड-बालोला-सिमवाना लिफ्ट प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। अब हम इसे सितम्बर, 2018 तक पूरा कर जैसमेहर और बालोला के 580 गांवों तथा बालोला और सिमवाना क्षेत्रों को मीठा पानी उपलब्ध कराएगे।

नए भारत का शक्ति पीठ : केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि यह रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राजस्थान के लिए गेम चेंजर साबित होगा। रिफाइनरी लगाने से इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष एवं अग्रत्यक्ष रूप से 1 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला इंटीग्रेटेड परिसर है जहां रिफाइनरी एवं पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स एक साथ स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पश्चिमी राजस्थान एनजी का हब है। यहां लोक, एनजी, वित्त एनजी, प्राकृतिक गैस, सिम्नाइट एवं पेट्रोलियम के भंडार हैं। यह क्षेत्र नये भारत का शक्ति पीठ है।

भारी भीड़, जबरदस्त उत्साह

रिफाइनरी के कार्य शुभारंभ समारोह के दौरान समारोह स्थल सहित पूरे पचपढ़ अर्थनीति क्षेत्र में जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया। प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में लोग इस ऐतिहासिक क्षण के लिए दिन बनाने पहुंचे।

पश्चिमी राजस्थान के लोगों में इसने उत्साह था कि वे लोकगीतों में इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का आमार व्यक्त करते नजर आए। लोगों ने कहा कि रिफाइनरी से हमारा जीवन बदल जाएगा और इस क्षेत्र को नई भवन मिलेगी।

जनवरी, 2018, राजस्थान सुजस
मोदी ने इस अवसर पर स्व. मैरीसिंह शेखावत के राजस्थान के विकास में योगदान और मेजर दलपत सिंह शेखावत को भी याद किया। साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री राजस्थान सीसीएम जसोल के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना भी की। उन्होंने कहा कि आजीवी के बाद 75 साल में मैं पहले प्रधानमंत्री था जो इस्लामाबाद की बात कर उन वीरों को नमन किया जिन्होंने प्रामाणिक विश्वयुद्ध में हाफ्सा को मुक्त करने के लिए बलिदान दिया था। यह गोरख की बात है कि उन वीरों के दल का मेजर दलपत सिंह शेखावत ने किया था।

रिफाइनरी वासुधरा की मेनत का परिणाम – पीएम

प्रधानमंत्री ने राजस्थान के दौरान राजस्थान की जनता के लिए फैसले किए जिनमें मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधरा राजे की मुक्त करने के प्रस्ताव समझौता की। उन्होंने कहा कि अभी नई संस्था में बाएं मारवाड़ीयों के संस्कार है। इस कारण वे राजस्थान के फायदे के लिए केन्द्र सरकार से अधिक से अधिक वेतन प्राप्त करने का प्रयास करते हैं और उसमें सफल भी होँगे। उन्होंने मेनत का परिणाम है कि अज काम पर लटका रिफाइनरी का प्रोजेक्ट ध्यान कर उन्हें बढ़ा आर्थिक जनरल हुआ है।

खान राजवंशी सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने समारोह में स्वागत समन्वयन दिया एवं एचपीएल के सीएम एम.के. थालूला ने प्रधानमंत्री को स्पष्टीक्षित भेंट किया। केंद्रीय विधि एवं न्याय राजवंशी सी.री. चौधरी, केंद्रीय संसदद्ध कार्य राजवंशी अरुषनाराय मेंरवाल, केंद्रीय कृषि राजवंशी गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय
युवा ही डिजिटल क्रांति के सूत्रधार

"थिंकिंग बिग – थिंकिंग ग्लोबल " राजस्थान की तकनीकी यात्रा

”डिजिफेस्ट उदयपुर” राजस्थान के लिए कई महत्वपूर्ण सौगातों लेकर आया। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे के सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में राज्य को अग्रणी बनाने की मंशा एवं युवा पीढ़ी में तकनीकी धारणा को राजस्थान के बहुमुखी विकास से जोड़ने की दिशा में यह आयोजन उपलब्धियों भरा रहा। इस अवसर पर जहां इंडियान राजनीति पर चर्चाएं हुई वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्योग के क्षेत्र में लोहा मनवा पुके उद्योगों ने युवकों से स्टार्टअप में कामयाबी के टिप्स साझा किए।

युवा ही डिजिटल क्रांति के सूत्रधार

थिंकिंग बिग, थिंकिंग ग्लोबल के मंत्र के संदेश के साथ सम्पन्न हुए तीन दिवसीय समारोह में मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे ने कहा कि युवा डिजिटल क्रांति के मौजूदा दौर के सूत्रधार है।

सरकारी योजनाओं में नवाचारों का उपयोग

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे ने राजस्थान डिजिफेस्ट के दौरान राज्य सरकार की ओर से लगाई गई प्रदर्शनी 'राजस्थान टुडे ट्वूर्नार्टी' का अनोखा रूप दिया। मुख्यमंत्री प्रदर्शनी में दिखाए गए विज्ञान, तकनीक और सूचना क्रांति से जुड़े नवाचारों और सरकारी योजनाओं में उनके बेहतरीन उपयोग को देखकर अभिमूल्य नजर आई। उन्होंने विभिन्न स्टॉल्स पर रक्कर विस्तार से जानकारी ली।

प्रदर्शनी में ही श्रीमती राजे ने राजस्थान पुलिस की ओर से विकसित किया गया अभियंता सॉफ्टवेयर का शुभारम्भ किया और कहा कि यह सॉफ्टवेयर प्रदेश में अपराधों की रोकथाम में उपयोगी साबित होगा। अधिकारियों ने बताया कि सॉफ्टवेयर में अपराधी के फोटो, रस्पी, फिगरप्रिंट आदि के आधार पर एक इंटरनेट टैंपलेट होगा जो बारह में अपराध घटित होने पर अपराधी की पत्रिका में कार्रवाई साबित होगी।

अन्य जिलों में पायलट बेसिस के लिए जिले इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अपराधी रोकने का उपकरण बनाया गया है।
मुख्यमंत्री ने रोबोट से की बात

मुख्यमंत्री श्रीमती राजने ने प्रदर्शनी में एक निजी कम्पनी द्वारा किस्टमाइज़ किए जा रहे ‘नाओ’ रोबोट से हिंदी व अंग्रेजी में बातचीत की। मुख्यमंत्री ने रोबोट के सिर पर हाथ रखा तो रोबोट ने गुजार दिया पूल एवं समाल देकर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। उन्होंने रोबोट से भावाशह तथा डीबीटी योजना के बारे में पूछा तो रोबोट ने इन योजनाओं की जानकारी दी। रोबोट ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपको यहाॅं लग रहा है तो मुख्यमंत्री ने जवाब दिया कि बहुत अच्छा लग रहा है। रोबोट ने इस दौरान योगाम्यस करके दिखाया। मुख्यमंत्री ने रोबोट को सराहना करते हुए कहा कि यह किसी क्व्यूट से बेबे जैसा है। कम्पनी प्रतिनिधि ने बताया कि यह 19 भाषाओं में बात कर सकता है।
श्री डी चवशे से निहारा आमेर फोर्ट का मॉडल

मुख्यमंत्री राजे ने श्री डी चवशे लगाकर श्री डी मांडल ऑफ आमेर फोर्ट को निहारा और उदयपुर सिटी पैलेस की बच्चों के लिए स्वीकार कराने के लिए इंटरफेस नेटवर्क सिस्टम की स्टॉल का अनुशीलन किया और कहा कि इस स्टॉल के माध्यम से लोगों की जान बच सकेगी और उन्हें भागभाग का आधार निर्धारित करेगा। इस सिस्टम से लोगों के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान दिया जा सकेगा। उन्होंने राजकै और सीट्स स्टोर्टवेयर का भी अलोककार किया। सुचना प्रांडोगोंके ने संचार विभाग के अनुसार शासन सचिव अर्जुन अडोडा ने बताया कि इस पोर्टल में कार्यकर्ताओं की समस्त पहचान स्थीति और थुड़ी जमीन जहाँ अनेक प्रकार के ऑनलाइन ही स्थापना पर काम करेगी।

हिंदीफेस्ट में चमकिले शिक्षक को देखे टेबलेट राजस्थानी के अनुसरण के दौरान मुख्यमंत्री श्रीमती राजे ने राजस्थान हिंदीफेस्ट प्रतियोगिता में चमकिले शिक्षक को टेबलेट देकर पुष्क्रम किया। उन्होंने इस दौरान राजस्थान माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे ऐसी तकनीक व नवाचारों से शिक्षकों को प्रेरित करें।

राजस्थान मुख्यमंत्री ने इस दौरान सिस्टेमों से पोर्टल का भी उपयोग किया तथा राजस्थानी, इ.जारा, इ.चार्ज, इ.चार्ज, इ.चार्ज और इ.चार्ज एचपीएम पोर्टल, भागभाग, हॉटल, सीट्स सिस्टम, इ.ऑफिस और इ.कंप्यूटर सहित विभिन्न नवाचारों को प्रदर्शित करने वाली स्टॉल का अनुशीलन किया। श्रीमती राजे ने प्रदर्शनी की समापना की।

सफल उद्योगों ने इस स्टार्टअप में कामयाबी की टिप्स

राजस्थान हिंदीफेस्ट के दौरान विभिन्न संगठन में देश और दुनिया के सफल व मशहूर उद्योगों ने अपनी कामयाबी के सफर को शुरू किया और स्टार्टअप में सफलता के दिस्ते देखे हुए कहा कि बदलाव की आड़िया’ज पर रागात बांध करें तो आपको कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता।
विशिष्ट किंग, विशिष्ट क्षेत्र कोशिश के साथ भारत में मुख्यमंत्री सलाहकार परिषद के सन्दर्भ में शोधन का पहला का कहा कि सफल होने वाले के लिए दुनिया भर में वैज्ञानिक परिचय बनाने तथा फैला विशाल केन्द्र निर्माण अंतर्गत करते हैं। जब युवा अपनी अनौचित क्षमताओं का पूरा प्रदर्शन के साथ उपयोग करते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं में अनौचित क्षमताएं हैं, उनका उपयोग कर आए अपने व देश के प्रबंध को बदल देते हैं। उन्होंने युवाओं को कहा कि वे जो भी करें उसमें विशेषज्ञता हासिल करें। साथ ही उन्हें प्राकृतिक सौंदर्य बनना चाहिए।

विभिन्न समूहों में युवाओं ने की विरासत

डिजिफेस में विभिन्न विषयों पर समानांतर सत्र आयोजित किए एवं ‘डिजिटल एंटरप्रायरशिप’ सत्र में एनीवीसीएल के विषय क्रिकेट ने सफलता की गतिविधि का समाधान करते हुए कहा कि आप अपना काम करते जाईं, लोग अपने आप जुड़ते जाएंगे। उभरे के डायरेक्टर, पब्लिक अफेयर कोकिंग टूड, जुम्ला कार के फाउंडर व सोसाइटी ग्रैंड मोरेन ने भी अपनी कामयाबी की कहानी से युवाओं का दिल जीता और उन्हें प्रेरणा दी।

सेल पटरियों के क्रेडिट कुंडल कुंडल कार्टिजों से बचाव अनुपात एप

देशमें 13 हजार ट्रैक्टर चलती हैं और इन पर पटरियों समन्वित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक सर्किट से ट्रैक्टर तैयार करने के लिए लगभग एक लाख करोड़ रुपयों का खर्च प्रस्तावित है। परंतु यदि देशमें इन सभी ट्रैक्टरों में हमारे द्वारा तैयार किया गया एप और हार्डवेयर लगाया जाए तो इस पर मात्र 130 करोड़ रुपया खर्च आए। हालांकि कोणां जन्मांजलयों में अपने साथी गौरंग दाशिंच, ब्राह्मण सोनी और मान जैन के साथ कोड अवड की प्रीमियर पर क्रेडिट कुंडल तैयार कर रही थी। यह मालूमे होतों क्रिकेटी पर काम करता है।
और यह पदार्थों में अने वाली बाया या दूरदर्शन के अंदेशों को भांड़क ट्रेन को 100 से लगाकर 500 मीटर पहुंचा अपने-आप टोट के देता है। टीम के मुकेश ने बताया कि रेजियो क्रिकेटरी पर आधारित हो ट्रेन के आईडीटी एज्स्टेंशन से जोड़कर उस स्थान पर भी कम किया जा सकता है जहां दो एंटेन्स आधारित हों। इसके दो युवाओं को पहले पर बन रहे नेत्रहीनों का मददगार उपकरण

थाईलैण्ड के दो युवा अपने दो भारतीय दोस्तों के साथ एक ऐसा उपकरण तैयार कर रहे थे जो नेत्रहीनों को बिना छड़ी या किसी अन्य मदद से ट्रेफिक मर्सीसड कर भी आम इसाइयों की भावना चलने में मदद करता है। डिजिटल में बैंगलोर की क्राइकेट यूनिवर्सिटी में कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे थाईलैण्ड नवायात कोरेन्डोनग्जा और दिल्ली की चाचा द्वारा तैयार किया जा रहा यह उपकरण सेंसर पर आधारित है और इसे नेत्रहीन व्यक्ति अपने कपड़े पर लगाकर आम रास्ते पर चल सकते हैं।

ल्यूक्रेनोन्फास्ट्रा बताते हैं कि इसमें दो प्रकार के सेंसर लगे हुए हैं जो नेत्रहीन के सामने वाली दिशा के साथ-साथ जमीन पर गड़बड़ व अन्य बायाओं के बारे में जानकारी देते हैं। वे बताते हैं कि इस उपकरण के साथ दो जंगल रुपये तथा दो नये कंप्यूटर के पांच सी स्तरों में तैयार हो सकता है। कंप्यूटरों के साथ इस उपकरण की मदद से नेत्रहीन व्यक्ति द्वारा तय की जाने वाली यात्रा की संपूर्ण रिकाइलिंग की जा सकती है जिसे कहा से भी कोई व्यक्ति ट्रेक कर सकता है। वे कहते हैं कि हमारा मकसद पीड़ित मानवता की सेवा करना है और हम इस उपकरण के लिए भी प्रायोगिक का आधारित आम कमाने के इस्तेमाल नहीं हैं। हम तो इस तकनीक को नेत्रहीनों की सेवा के लिए दान देने की मंशा रखते हैं।

‘सीक्रेट आई’ सॉफ्टवेयर से रहस्य भभ्रो अपके कम्प्यूटर पर अनुच्छेद लिखने में सहायता प्रदान करता है।
इसके साथ ही एक विशेष सुविधा यह होगी कि इसमें वॉल्स मैसेज भेजने का फीचर भी होगा जिसके माध्यम से अंग्रेजी नहीं समझने वाला व्यक्ति भी अपने स्मार्टफोन पर इस एप की मदद से वॉल्स मैसेज पेशकश मदद प्राप्त कर सकेगा। प्रिया ने बताया कि इस एप में चिकित्सा सुविधाओं पर लिई मेडिकल इन्फरेंस की तर्ज पर मासिक और वार्षिक ज्ञान भी तैयार किया जा रहा है। उनके साथ इस कार्य में महावीर बाहेरती, नितेश अग्रवाल और विक्रिय प्रसाद जोशी का काम रहा है।


दूरबीन इंटरनल देगा रोबोटिक आर्म

डिजिफेस्ट में गूगल ने कृत्रिम दूरबीन और पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी से आए विशेषज्ञ, विज्ञान और जीवन योग्य रोबोटिक आर्म पर काम कर रहे हैं। इसमें बाहर जा रहे स्वयंसेवक द्वारा से कंटेनर सॉफ्टवेयर रोबोटिक आर्म एक खास तरह के फलस को दिखाना जा रहे मूवमेंट के आधार पर कहीं भी काम कर सकेगा। कॉफ्टेंट यह है कि इससे विद्यार्थी को दूरबीन का जरीए टॉपर नुकसान में कहीं से भी काम कर सकेंगे। युवाओं के समय भी सैनिकों की चिकित्सा जैसे कार्य आसान होगा। बी.टेक. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी किशन, विज्ञान और जीवन ने बताया कि इससे पहले वे होम ओटोमेशन पर काम कर चुके हैं जिसमें बाइकोन में के जरीए ही कहीं से भी घर के इंसाइक्ल उपकरण आदि को संचालित कर सकेंगे। उन्होंने दिजिफेस्ट की सराहना करते हुए कहा कि पूरे भारत में यह पहला राजप क्षेत्र है, जहां इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। प्रोफेसरम और तकनीक से जुड़े युवाओं के लिए यह बेहतर मंथ मंथ करने वाला प्लेटफॉर्म है।


दूरबीन इंटरनल देगा रोबोटिक आर्म

डिजिफेस्ट में आए युवाओं के पास एक से बढ़कर एक आइडिया है। एमआईटीएस, जीजन से आए अक्षय कुमार और बीएनपुर उदयपुर की सिद्धि ओमराल व प्रिया मिश्रा डिजिटल इंटिया डिजिटल होने की थीम पर काम कर रहे हैं। वे एक ऐसा एप बना रहे हैं, जिसके जरीए कोई भी व्यक्ति अपने घर की सिक्कों को लेकर निर्देशित हो सकेगा। एप के जरीए व्यक्ति जान संभाल कर उसके घर के आसपास किनी दूरी पर कौन व्यक्ति है। इसके अलावा घर की लाइफ स्टाइल और अन्य उपकरण भी इससे संचालित होगे। यहां का तापमान, आंदोलन और कुछ के बारे में भी उसे जानकारी मिल सकेगी।


टील की लाइन से मुक्ति देगा एप

जयपुर के पूर्व भाषाओं और सौरव गुप्ता जी एप बना रहे हैं, यह आपको टील बूथों पर लगाने वाली तकनीक से मुक्ति देगा। एससीआईटी जयपुर की छात्र पीयूषी काहारी हैं जिन्होंने एक शहर से दूसरे शहर की यात्राओं के लिए अक्सर लंबे लाइन लगी होने के कारण काफी परेशाना का सामना करना पड़ता है और समय का भी नष्ट होता है। ऐसे में वे जो एप बना रहे हैं उसमें कई भी व्यक्ति अपने सफर के शुरू में ही राह में आने वाले सारे टील बूथों की गणना कर उसके लिस्ट से वैसे अंतरावान ही जमा कर सकेगा। इससे एक सीडी प्राप्त होगी जिसे दिखाकर वह तकलीफ टील बूथ से निकल सकेगा। सौरव ने बताया कि राजस्थान में डिजिफेस्ट की पहले युवाओं के लिए बहुत अच्छी है और इससे पूरी दुनिया में राजस्थान के में बहुत अच्छा दंड जा रहा है।
सरकारी कर्मचारियों की जवाबदेही तय करेगा एप

हरियाणा के युवुनामार स्थित जेएमआईटी से एआई सूचना, मोहित, कुलविदर और गौरव हेकाथाम को ठेकर बहुत रोमांचित नजर आए। टीम लैंडर गौरव ने बताया कि ये एक ऐसा साइट्स बना रहे हैं जो दफ़ौरों में सरकारी कर्मचारियों की जवाबदेही तय करेगा। आम आदमी देख सकेगा कि उसके प्रकरण के समाप्ति में क्या कार्यवाही की गई है और अभी क्या चल रहा है। इसी बीच भी सरकारी काम के लिए तय समयावधि में काम नहीं होने पर एवं भारी कि किस बातिल की लापरवाही के कारण काम अटका। इस साइट्स में भिड़ने और आर्थिक के लिए अलग-अलग पासवर्ड, लॉगिन रहें जिनके माध्यम से वे इस पर काम कर सकेंगे।

दूरिस्ट के लिए गाइड बनेगा चैट बोट

हेकाथाम में जुड़े जयपुर के विनायक का ‘चैट बोट’ पहुँचने के लिए पर्यटक गाइड का काम करेगा। उनका एक पर्यटक के लिए चैटिंग का रोलेट है जो उनके हर सवाल का जवाब देगा। कोई भी स्थानीय किसी भी स्थान के बारे में अपने सवालों के उत्तर इसके जरिए जान सकेगा। चैट बोट में उसके लिए हर सवाल का जवाब और उससे जुड़े डिभिशन युवराज को मिल जाएगा जिससे किसी भी स्थान के बारे में उसकी जिज्ञासाओं का समाधान होगा और पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी सस्ती बने। विनायक ने बताया कि इससे पहले यह न्यूज़ से जुड़ा एक एप बना बुकाए हैं जिसमें किसी राज्य या शहर या स्थान से सम्बन्धित समाचारों के बारे में जानकारी मिलती है।

सिंपली राजस्थान बनेगा राजस्थान असिस्टेंट

नई दिल्ली से आई काइड बनेगी टीम की सोलह विज्ञापन विभाग, विशेषता और शरीर के एक ‘सिंपली राजस्थान’ पर्यटकों के लिए राजस्थान असिस्टेंट का काम करेगा। इस एप के जरिए दूरिस्ट को किसी भी स्थान की जानकारी मोबाइल में मिल जाएगी। किसी भी दूरिस्ट व्हाइट बोट पर यह गाइड की तरह काम करेगा और उस स्थान की जानकारी दूरिस्ट की अपनी भाषा में उसे मिल सकेगा। सारी जानकारी पढ़ने की जरूरत उठने में भी मिल सकेगी और वह आसानी से सुनकर किसी स्थान के बारे में जान सकेगा।

कलाकारों को भामाशाह प्लेटफॉर्म से मिलेगा प्रवासी मित्र

हेकाथाम में आए अमित और निरुपम अपनी टेक्निकल टीम के जरिए प्रवासी मित्र वेब पोर्टल पर काम कर रहे हैं। यह पोर्टल किसी भी स्थान में घिस्के के लिए कलाकारों के बारे में सारी जानकारी उपलब्ध कराएगा। इस प्लेटफॉर्म और भामाशाह कार्ड के माध्यम से यह उससे जुड़ा सकेगा। पोर्टल से जुड़े कलाकारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर दूरिस्ट उनकी कला का लुफ्त उठा सकेगे और इसका मूल्यांकन भी उन्हें भामाशाह प्लेटफॉर्म के जरिए मिल सकेगा। इससे उनकी कला को प्रोफाइल मिलेगा और उन्हें उपलब्ध आय भी प्राप्त हो सकेगी।

आलेख : पवन कुमार शर्मा
सहायक सूचना एवं जनसपरकों अधिकारी
उदयपुर
प्रश्नपत्र पंचमुखी शिक्षा पद्धति समग्र शिक्षा-उपराष्ट्रपति

पराक्रमपत्र श्री एम.बेकेया नायडू ने 7 जनवरी को वनस्पती विद्यापीठ के 34वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि वनस्पती विद्यापीठ विश्व में महिला शिक्षा की अनुकूल संस्था है, जहां की पंचमुखी शिक्षा पद्धति विद्यापीठों के लिए समग्र शिक्षा है और उनके सर्वाधिकार विकास एवं बदलते निर्माण के लिए आवश्यक है। समग्र देश का इसे अपने को आवश्यकता है। श्री नायडू ने कहा कि “बेटी बचाओ बेटी पढ़ो” भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। इस सामाजिक धर्म का वनस्पती विद्यापीठ विभाग 82 बायों से साकार रूप दे रहा है।

वनस्पती विद्यापीठ में पर्याप्त और आधुनिक और अनुप्रुत समय है। यह हमारे उत्तर और उत्तराखंड के जमीन से जुड़ा है फिर भी यह आपके प्रत्येक जन को ताजा हवा और अनुप्रुत प्राप्त करने के लिए विश्व स्तर पर है। यह आपके प्रति विश्वभर के चमकदार प्रश्न से वित्त पर भारत के निर्माण है और आधुनिकता करता है। उपराक्रमपत्र ने कहा कि विश्व में महिलाओं की सभी सबसे बड़ी आधुनिक शिक्षा संस्था के 34वें दीक्षान्त समारोह में भाग लेने मेरे लिए अवश्यकता का विषय है। उपराक्रमपत्र ने छात्राओं को निर्देशित करने हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में यह एक सशक्त शिक्षा संस्था के रूप में उभरी है, जिसने अपने विद्याधिकार को जीवन में विविध भूमिकाएं बड़ी निर्भर के लिए तैयार किया है।

श्री नायडू ने कहा कि हमारी प्राचीन संस्कृति में गर्मी, लोपामुद्रा और विद्योतान्त्र जैसी बिदितक शिक्षाओं को अच्छी उच्च स्तर के कार्य कर नची शक्ति एवं विद्या का समारूह किया गया है। यह विश्वशास्त्र है कि अपी भी बिदितक शिक्षाओं की विचारता को आगे बढ़ाएं।

श्री नायडू ने छात्राओं का आदेश करते हुए कहा कि विश्व भारत की तरफ देख रहे हैं। इसलिए राष्ट्रीय निर्माण के लिए आप जैसी शिक्षित युवाओं का आवश्यकता है जो भारत को विश्वक युक्तियां पर पहुंचा सकते हैं। हमें मां, मातमूणि, मातुभा और पुत्र को नहीं मूलन चाहिए। मातुभा के महत्तव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि मातुभा में पढ़कर ही में उप राष्ट्रपति के पद तक पहुंचा हूँ। मातुभा अपनी आँख और पराकात भाषा चलाना है। उन्होंने छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी जड़ों की ओर लीना चाहिए और समग्र संस्कृतियों से उपर उत्कर राजनीति के निर्माण में योगदान देना चाहिए। हमें इनके लिए कार्यक्रम और अनुशासन बदलता होने चाहिए। मैंने यहां की दीक्षाधिकारों में अद्भुत आत्मविश्वास और दृढ़ता देखी जो कि देश के विकास के लिए शुभ संकेत है।

उन्होंने छात्राओं का आदेश करते हुए कहा कि आपको यह याद रखना चाहिए कि एक विश्वविद्यालय सिर्फ अपने वर्तमान विद्याधिकारों के लिए ही काम करते हैं। उसके बादपुर विद्याधिकारों के विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य करने से भी मजबूतता की ओर बढ़ता है। मैं यह आशा करता हूं कि आप सभी छात्रों को छुट्टे और सिर्फ अपनी मातृभाषा की
पुस्तक के उपलब्ध हैं जिन्हें डिजिटाइजेशन द्वारा संरक्षित किया गया है। इस परिसर में स्पष्ट रूप से डिजिटल इंडिया और स्मार्ट इंडिया का मिश्रण दिखाई देता है। हाल ही में अंतर इक्वॉलिंग सेंटर की स्थापना से बिस्फोटक अपनी युवा उद्यमियों द्वारा गौरवान्वित होगा जो कि फ्लार ओप इंडिया अभियान के लिए प्रेरित होंगी।

मंगल गीत के बीच श्री नायडू का सूत की माला से स्वागत

वनस्पती विद्यापीठ के स्वागत द्वारा प्रेम के उपरांतयुगल श्री एम. बैंके नायडू सहित उनके साथ मौजूद जिला प्रमुख मंत्री राजयाल सिंह शेखावत, सामाजिक न्याय एवं आचरण विभाग अधिकारी मंत्री राजस्थान के राष्ट्रीय सुरक्षा सिंह जौनपुरिया के आगमन पर मंगल गीतों के बीच छात्राओं ने पारम्परिक शैली में सूत की माला पहनाकर स्वागत गान के साथ उनका अभिनंदन किया।

परेड में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

श्री नायडू ने वनस्पती सेवा दल द्वारा प्रस्तुत परेड में कार्यक्रम में शामिल होकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और अनेकों में एकता के रूप में विभिन्न राज्यों के छात्राओं की परेड का निरीक्षण कर समर्पित किया। छात्राओं ने बैंड की मधुर धुनों पर दुनिया की पहनाकर हमारे आदि देशभक्ति गीतों के बीच परेड करते हुए जोश के साथ सामर्थ्य दी तो उपरांतयुगल नायडू ने छात्राओं की परेड के दौरान सलामी देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

3843 को उपाधि तो 99 को गोल्ड मेडल प्रदान किए

उपरांतयुगल श्री बैंके नायडू ने वनस्पती विद्यापीठ के दौरान समारोह में विभिन्न संकुलों में 3847 छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान की गई जिनमें से 299 दौरानों को पीएम.डी. उपाधि दी गई एवं 99 छात्राओं को मुख्य अतिधि ने स्वर्ण पदक देकर समानित किया।
100 बालिका विद्यालयों में लगेंगे सेंट्रल नैपूकन इन्सीनियर
बालिकाओं में जगेगा आत्मविश्वास

राज्य में सीसीआर के तहत नवाचार गतिविधियों के साथ ही व्यापक हित को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। सीसीआर गतिविधियों के तहत बालिकाओं की सुविधाओं के लिए जयपुर में चार राजकीय स्कूलों में सेंट्रल नैपूकन इन्सीनियर कार्य करने के लिए नियुक्त किए जा रहे हैं। इन स्कूलों के लिए उपयोग में ली हुई नैपूकन का भी वैज्ञानिक व सुरक्षित तरीके से नियुक्त किया जा सकता है।

राज्य सरकार के प्रोत्साहन व तीनों स्कूलों में सफल प्रयोग से उत्साहित होकर अब जिले के 100 राजकीय बालिका विद्यालयों में सेंट्रल नैपूकन वितरण और सेंट्रल नैपूकन इन्सीनियर लगाने का निर्णय लिया गया है। इससे बालिकाओं को विद्यालय में भी सुविधा और बेहतर माहौल हो जाएगा।

हालांकि बालिकाओं के माध्यमिक स्कूलों में सरकार द्वारा भी इस तरह के प्रयास किए जा रहे हैं पर सरकार की अपनी सीमाओं को देखते हुए राज्य में कार्यवाही उड़णों के सीसीआर कांग्रेस के सहयोग से इस तरह की गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना लगा है। इन स्कूलों में सेंट्रल नैपूकन के वितरण के साथ इसका निष्कर्ष भी सिखाया जाना आवश्यक है। वास्तव में उपयोग में लिए गए सेंट्रल नैपूकन को इच्छुक व इंस्टेंटिंग करने को संक्रमण व बीमारी का खतरा बना रहता है। इनके में इसके प्रति अनेक बांधकाम भी है। राज्य में कार्यवाही औद्योगिक घरों को सीसीआर के तहत परम्परागत कार्यों के साथ ही नए कार्यों से जोड़ा जा रहा है।

राज्य के उद्योग अनुकूल व सीसीआर सचिव कुंजीलाल मोहन बारानी बरी से कम्पनियों के बेहतर तेज, कार्यक्षमात्मक गतिविधियों को बढाने के प्रयास कर रहें हैं। इसी दिशा में कदम बढाते हुए सीमेंट व अन्य कम्पनियों के सहयोग से गर्मी व होनहार बच्चों को उच्चतकनीकी अध्ययन के लिए राशि उपलब्ध कराने का नवाचार भी शुरू करने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार के कॉर्पोरेट रोशनी अस्पताल प्रसिद्ध शिक्षाओं द्वारा सीसीआर के दायरे में आ रही कम्पनियों के सहयोग से सीसीआर कार्यक्रमों के तहत लोककल्याणकारी कार्यक्रमों को अमल में लाना बहनाया जा रहा है।

जयपुर में नैपूकन के मूल यूनिनेटर्स के लिए सी.एस.आर. कार्यक्रम के तहत गोविंदपुर पंचायत विभाग के 3 राजकीय विद्यालयों का, राजकीय आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय दोदस, राधासावास राजकीय उच्छ माध्यमिक विद्यालय और राजकीय माध्यमिक विद्यालय जीतपुर में छात्राओं की सुविधा के लिए शीर्षबालों में इन्सीनियर फ्री मूल्य लगाए गए हैं जो कि पूर्ण रूप से सुरक्षित और आसानी से संचालित होने वाले हैं। इन इन्सीनियर इन्सीनियर द्वारा उपयोग में लाए गए सेंट्रल नैपूकन का व्यवस्थित निष्ठानाम निर्णय करा जा सकता है। 

साथ ही जयपुर में नैपूकन के लिए इन्सीनियर का उपयोग किया जाएगा क्योंकि छात्राओं के भाग में सामान्य गर्मी से समस्तित होकर जानकारी का अभाव हो रहा है। कई जानकारी आपातकाल में बहुत महत्व और महत्वपूर्ण है।

इन दौरान उन्होंने सभी कार्यक्रम को सेंट्रल नैपूकन भी उपलब्ध कराए। आज इन विद्यालय के कार्यक्रम का शुभारंभ एक नए जिले के 100 राजकीय विद्यालयों का अभाव निवारण कराने के लिए इन्सीनियर यूनिनेटर्स का आमंत्रण किया जा रहा है।

आलेख एवं छवि : डा. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
गणतंत्र की सार्थकता

आलेख : गुलाब बन्ना, स्वतंत्र पत्रकार

रवि धीन भारत के संविधान की मूल प्रस्तावना ‘हम भारतवासी’ शब्द से आरम्भ की गई है। संविधान की सीमाओं में आबद्द लोकतंत्र या जनतंत्र ही गणतंत्र का रूप धारण करता है। इसका आधार गण है अर्थात् एक मन से कार्य करने वाला समूह। पार्स्करक द्वारा भारत के स्वदेशीकरण से सम्बन्धित अद्यावधिक शक्ति आरम्भ की गई है। भारतवासी के नाते भारतीय परम्परा में पूजा का प्रथम अधिकार गणेश जी का है। ये मानवीय सम्बन्ध स्थापित करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक प्रक्रिया के अधिकार है। भारतीय संविधान में ‘गण’ गठन की प्रक्रिया में व्यक्ति की साधना के साथ सामूहिक साधना को प्राथमिकता दी गई है। इसलिए अंतः की तृप्ति में व्यक्ति को प्रमुखता देते हुए मन, वचन और कर्म में समूहितकर की प्राप्ति बहाना की गई है। अतः “हम भारतवासी” शब्द से संविधान का श्रीगणेश प्रधानी भारतीय परम्परा और सामूहिक साधना का प्रतीक है।

संविधान ने देश की शासन व्यवस्था के संचालन के लिए गणतंत्र की मजबूती के उद्देश्य से तीन प्रमुख स्तम्भों विधायिकाओं, कार्यालयालों एवं व्यायामिकों में शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत को अपनाया है। वहीं अधिकृतता की स्वतंत्रता के नाते प्रस्तर या मीडिया भी वैदिक स्तम्भ बना हुआ है। इन सबके बावजूद आखिरी ताकत चैंक्स एवं वैटल्स के रूप में मंदिरता के नाते है। गणतंत्र और लोकतंत्र में आंतर समझने के लिए हम यह जान लें कि लोकतंत्र एक विचार या अभावान्य है जिसका यथार्थ रूप गणतंत्र है। लोकतंत्र में राजा और रेखा समान है। समान अधिकार की हम भावना को अराजकता में बदलने से रोकने के लिए नियम कानून बनाने की प्रक्रिया में लोकतंत्र “गणतंत्र” में परिवर्तित हो जाता है। इसके लिए निर्माण प्रक्रिया में भागीदारी से निताहता अपने प्रतिनिधि चुनता है जो भोजन के आधार पर शासन प्रशासन का संचालन करते हैं।

भारतीय संविधान दुनिया का सबसे विश्वसनीय निक्षेप संविधान है जिसमें लगभग 90 हज़ार शादी है जिसमें मुलत: 395 अनुच्छेद 22 विधान एवं आद अनुरूपियाँ समर्पित हैं। यह माना जाता है कि लोअर वेल्ड के कार्यालय से भारतीय संविधान की प्रक्रिया आरम्भ की गई। विभिन्न संविधानों के अध्ययन के लिए आई सी.एस. अधिकारी बी.एन. राय को विदेश भेजा गया जिन्हें बाद में संविधान निर्माण सम्बंधी छाप्त कमेटी का सचिव बनाया गया। साथ सदस्यीय इस कमेटी के प्रमुख डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे। केवलमेन्ट वियान्स के अन्तर्गत 1946 में हुए चुनाव के आधार पर संविधान विजय टिक गया जिससे कार्यालय 9 डिसम्बर, 1946 से 26 नवम्बर, 1949 तक चली। इस संविधान को 26 नवम्बर, 1950 को अंगीकृत किया गया जिसे हम आज गणतंत्र विभेद के रूप में मानते हैं। हमें ब्रिटिश दासता से विप्लव के साथ भारत विभाजन का दंग भी जोड़ना पड़ा। अतः न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी.पी.सिंह, न्यायमूर्ति मेहरदस महाजन सहित विजेन्द्रनाथ एवं विद्वानों ने इस संविधान की सामीख्या में इसे विशेष सत्कार द्वारा निर्मित भारत के 1935 अधिनियम की नकल नाना है।

करीब 250 अनुच्छेदों को पूरी तरह अध्ययन कुछ मामूली फ्रेश्पर्ड के साथ अधिनियम से लिया गया है तथा इसके मूल दिशानिय नहीं बदले गए। यह गांधीजी द्वारा प्रदत्त संविधान के उस राज्य के अनुसार भी नहीं है जिसे उन्होंने अपनी मुंहुर लेने से एक दिन पहले तैयार किया था। गांधीजी ने इससे कांग्रेस का विघटन करके पंचायतों के आधार पर राष्ट्र निर्माण का स्वरूप रखा था। इसीलिए
गणतंत्र के आदर्शों से प्रेरित और व्यक्तियों द्वारा पहले का है।

सिद्धांतों के अनुसार, भारतीय गणतंत्र एवं लोकतात्त्विक शासन व्यक्तियों को नहीं अवश्य करता है। ऐतिहासिक कारण जैसे शासन प्रतिष्ठा का मुख्य अध्ययन करना है। गणराज्य के स्थितियों पर वैदिक शासन प्रतिष्ठा आधारित थी। महानाद काल संभाल की चर्चा करने तो योग्य, तट और सरकार, समूह, व्यक्ति, भोजन, आदि अनेक गणराज्यों का उद्देश्य आता है। हिस्सेदारी गणराज्य तो अंततः चरित्र रहा है। अध्ययन (1955.5) का एक मंत्र है जिसके अनुसार राज्य यह कहता है कि सभा में रात्रि राजा करें उसके जो समस्त समास्थ हैं वे मेरी रात्रि करें।

उम्र श्रेणी के इस गणराज्यीय व्यक्ति में प्रमुख को राजा रहा जाता था जिसका निर्भर्ता या वर्ण आज राघु द्वारा किया जाता था। अनेक समय पहले में विभिन्न पर राज्य को होता जा सकता था। राज्य या दर्शन का अंतर क्षेत्र था। इसे व्यक्ति को लोक कल्याणकारी राज द्वारा परिलक्षित के रूप में समझा जा सकता है। इसके बाद आज संसदीय लोकतंत्र में निर्भर्ता जन प्रतिष्ठितों को वापस लौटने की मांग पर दिया जाता है।

गणतंत्र विश्व के बेला में संवाद और इसमें निहित मूल्यों की रात्रि का संस्थापन देशायात्रा है। गणतंत्रों के अनुसार संसदीय लोकतात्त्विक व्यक्ति में भारत में निर्भर्ता प्रक्रिया द्वारा केंद्रीय एवं राज्यों में कुछ अन्य अवधियों को छोड़कर एक निर्भर्ता अवधि में सहसा सत्य प्रदर्शन होता आता है। इस प्रक्रिया की शुरुआत बनाये रखने के लिए चुनाव सुधारों की बातें और व्यक्ति चुनाव विधेयक पर ऐसे जनता और सुधार करने वाला तन्त्र दोनों ही भूमि जाते हैं।

पचने आदित्य चुनाव से लोकतंत्र एवं राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग होने की कार्रवाई तथा हर साल चुनाव कराये जाने और आचरण सत्य स्तर एवं सत्य प्रदर्शन में सुधारे दशकों को मुक्त करने एवं विधानसभाओं के चुनाव प्रक्रिया से संबंधित राजनीति ने नंबर में जोर पड़ना है।

लक्षितीय उपक्रमों में स्वर्णीय सौंदर्य शाखाओं ने इस मुद्दे पर कार्यनीति बाहर की है। कुछ दोनों के नेताओं ने भी इसका समर्थन किया। इस अधूरी बहस को प्राधिकरण अंतरिक्ष में नीली होने का संशय है। इसके बाद निर्भर्ता का उद्देश्य स्थापित करना जाने का आश्रय विधायिक।

एक तरफ भारत निर्भर्ता आयोग मदत करने के लिए कुट्टी प्रयास करता है तो दूसरी ओर अपने आपको प्रबुद्ध बनाने की मदद में दोनों दोनों को बनाने से सहायक होगा।
उमग, जोश और हर्षोल्लास से भरतपुर में मनाया राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने 26 जनवरी को भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में आयोजित राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में इश्नाथों का निरीक्षण किया। राज्यपाल ने कुड़ी जिस्ती में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित जनसमूह का अभिवादन किया।

श्री सिंह ने विभिन्न दुकानियों द्वारा प्रस्तुत मार्चपाट की सामानी ली। समारोह में मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे की मौजूदगी में हाईस्कूल महिला बटालियन, 14वीं बटालियन आरएसपी, पंजाब पुलिस, जिला पुलिस भरतपुर, जीआरपी, दस्तलाइल और ईआरटी, कारागूड़, भोपाल होमगार्ड, अरबन होमगार्ड भरतपुर, एनसीसी, शास्त्रीय प्रशिक्षण, एसबीसी और स्कूल-नैमूड के एक-एक फ्लाटन ने परेड में भाग लिया। परेड में आर्मी बैंड भी शामिल था।

स्टेडियम में भरतपुर शहर के विभिन्न विद्यालयों के 1200 छात्र-छात्राओं और 120 लोक कलाकारों ने कोरियोग्राफर मानु भारती के नेतृत्व में सांस्कृतिक प्रस्तुतीकरण दिया। ‘सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तान हमारा’, ‘सुने गौर से दुनिया बालों बुरी नजर ना हम पे डालो, सबसे आगे होगे हिन्दुस्तानी’ और ‘जलूं यह मनमोह देश हमारा’ जैसी राष्ट्रभक्ति की स्वच्छताओं के लोहागढ़ स्टेडियम गुज़ उठा। कलाकारों ने विभिन्न नृत्य मुद्राओं में आकर्षक व मनोहरक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की। कलाकारों द्वारा पेश कालेबलिया, घुमर, मायूर, छाड़ीया, तेलंगाना और बंगाली जनसमूह नृत्य की बेहतर प्रस्तुतियों ने दर्शकों को ममतम कर दिया। सेन्ट्रल पुलिस बैंड ने श्री समारोह में बैंड वादन किया।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह के राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में लोहागढ़ स्टेडियम पहुंचने पर मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने उनकी आयोगी की। इस मौके पर मुख्य सचिव श्री एन सी गोयल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रपति पुलिस पदक, राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समानीय सेवा पदक, पिस्टल मय प्रशंसा पत्र और योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए।

जनवरी, 2018, राजस्थान सुजस 23
गणतंत्र

जनवरी, 2018, राजस्थान सुजस
राष्ट्रपति पुलिस पदक— महानिरीक्षक पुलिस (सुरक्षा) (हाल सेवानिवृत्त) गुरूचरण राय, ज्यूट राम माण्डर चतुर्थ बटालियन आरएसएसी चेन्नई (हाल सेवानिवृत्त) सुप्रस राम।
राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा, सराहनीय सेवा पदक— लीडिंग फायरमैन नागरिक सुरक्षा आदालत, सैंकड़ बार्डन नागरिक सुरक्षा युनियन।
सिस्टम मय प्रशंसा पत्र— उपमहानिरीक्षक एटीएस विकास कुमार, अति. पुलिस अधीक्षक एसएसओ द्वारा सी.मुंि, एसएस निरीक्षक श्रीमती कनी हरिमाला, कारण वीरसेवा।
योग्यता प्रमाण पत्र— प्रबंध निदेशक राजस्थान रेलवे सीलद्वीप कॉर्पोरेशन लि. श्रीमती सुषमा अरोड़ा, सदस्य राजस्थान मण्डल महावीर सिंह, वरिष्ठ आचार्य एण्ड्रू क्राय-लोजेज, एसएस विकास संस्थान डों. संदीप कुमार बादुर, आचार्य ई.एन.टी. विमान एसएस विक्सालय डों. पवन सिंह, मुख्य लेखावधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग श्रीमती निधि मेहता, संयुक्त निदेशक आयोजना विभाग प्रवीण कुमार जी, सिस्टम एनलिस्ट श्रीमती व्योमा तुहाड़ी, सहित कृषि उपज मण्डल सामग्री भवन सहयोग जाता, उपायुक्त वाणिज्यिक कर विभाग दिनेश चन्द्र राजेश, अधिशासी अधिकारी जन स्वास्थ्य अधियोतिक विभाग जालेन्द्र कुमार एडान, अतिरिक्त निदेशक सहित राजनीतिक कल्याण विभाग संजय गांधी, अतिरिक्त निदेशक शासन राजिव आर्थिक प्रशासन नरेंद्र कुमार, सहायता अनुभागीकारी विभाग विभाग, शासन सचिवालय किशोर कुमार गुणा, कार्यालय मुख्य शासन सचिव सामान्य प्रशासन के सहायक कर्मचारी विभाग कटारिया, अधीक्षक अधिकारी जोधपुर विद्युत वितरण निगम लि. जयन्त रोंसी, अधिशासी अधिकारी राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण विभाग अनिल कार।
69 वें गणतंत्र दिवस पर पूरे राज्य में देशभक्ति, जोश और उत्साह का जलवा छाया रहा। सभी जिलों में मुख्य अतिथियों ने ध्वजारोहण किया, मार्च पार्ट की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। स्कूली बच्चों ने व्यायाम प्रदर्शन, नृत्य व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उमंग और उत्साह का प्रदर्शन किया।

जयपुर

शासन सचिवालय परिषद में 69वें गणतंत्र दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। पंचायती राज एवं प्रामुख्य विभाग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुदूर्देश सेठी ने ध्वजारोहण कर मार्चपार्ट की सलामी ली। इससे पहले सेठी एवं कार्यकारी विभाग के सचिव मार्कर ए साभत ने राष्ट्रपति महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जयपुर संभागीय आयुक्त राजेश सिंह ने जयपुर के चौथाई स्टेडियम में आयोजित जिला स्टूडीयम 69 वें गणतंत्र दिवस समारोह में ध्वजारोहण किया।

संभागीय आयुक्त ने ध्वजारोहण के पश्चात आरेखी, पुलिस, स्कूल-गाइड, एनसीई, होम गार्ड सहित स्कूली बच्चों की परेड का निरीक्षण किया और मार्च पार्ट की सलामी ली। समारोह में उ-आरोह स्वतंत्रता सेनानी राहुल सेनी को शाहल ओझाकर समानित किया। समारोह में उक्त तथ्य कार्य करने वाली 31 प्रतिभाओं को प्रशंसा पत्र प्रदान कर भावनात्मक किया।

अजमेर

गणतंत्र दिवस का जिला स्टूडीयम समारोह पटेल मैदान में आयोजित हुआ। समारोह में संभागीय आयुक्त हनुमान सहाय मिना ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड का निरीक्षण कर मार्च पार्ट की सलामी ली। जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उज्ज्वलीय सेवाएं देने वाले 129 व्यक्तियों को प्रशंसापत्र देकर समानित किया गया। इस अवसर पर जिले के स्वतंत्रता सेनानीयों इंग्लिश सिक्के बेदी शोभायात्रा गहरावर एवं सेनानीयों के परिवारों जानकी टी. गोकलानी, लेखा गुप्ता, केली देवी, सामली एवं स्तन बाकोलिया का शाहल ओझाकर उनका अभिनन्दन किया गया। इस मौके पर विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक व्यायाम प्रदर्शन किया।

पुलिस महान्यक्षक श्रीमती मातिनी आगाज, जिला कलेक्टर गरीब गोयल, नगर निगम के आयुक्त हिमांशु गुप्ता, जिला परिषद द्वारा मुख्य कार्यकर्ता अधिकारी अरुण गर्ज, पुलिस अधीक्षक राजेंद्र सिंह, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त के राजम इस अवसर पर उपस्थित थे।

बीकानेर

डॉ. करणसिंह स्टूडीयम में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त ने झण्डा रोहण कर, परेड का निरीक्षण किया और मार्च पार्ट की सलामी ली। समारोह के दौरान स्वतंत्रता सेनानीयों की वीर्यावर्ष के भारतीय जयाक देवी, सुरेश अंबेडकर एवं कमला देवी का अतिथियों ने शाहल ओझाकर अभिनन्दन किया। संभागीय आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में उज्ज्वलीय कार्य करने वाली 42 प्रतिभाओं को समानित किया।
कोटा

जिला स्त्रीय मुख्य समारोह महाराज उम्मेदसिंह स्टेडियम में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अधिकारी जिला कलक्टर रोहित गुसा ने ध्वजधरण किया तथा परेड निरीक्षण कर मार्च पार्टी की सलामी ली।

समारोह में स्वतंत्रता सेनानीयों एवं शहीदों के परिजनों को श्रीफल में कर व शौल ओड़ंकर सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्यों एवं उद्देश्यनीय सेवाओं के लिए 77 प्रतिभाओं को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे पूर्व शहीद स्मारक पर जिला कलक्टर ने पुष्पब्रह्म अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उदयपुर

महाराणा भूपाल स्टेडियम पर संभागीय आयुक्त महानी सिंह देशा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। समारोह में मुख्य अधिकारी ने स्वतंत्रता सेनानी ललित मोहन शर्मा एवं दिवंगत स्वाधीनता सेनानियों के मौजूद परिजनों का शौल ओड़कर श्रीफल से अभिनंदन किया।

समारोह में उदयपुर सांसद अरुणलाल मीणा, जिला प्रमुख शार्तिलाल मेहतासल रोहित जनगतिविधि, सेना एवं प्रशा्सनिक तबके के वरिष्ठ अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

समारोह में विभिन्न उपलब्धियों के लिए 81 विशिष्ट व्यक्तियों को प्रशस्ता पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जोधपुर

संभागीय आयुक्त डॉ. रविकुमार सुपुर ने गणतंत्र दिवस पर उम्मेद राजकीय स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, परेड का निरीक्षण किया और मार्च पार्टी की सलामी ली।

संभागीय आयुक्त ने विभिन्न दुकानियाँ द्वारा सलामी ली। इनमें आए सी, राजस्थान पुलिस, राजस्थान पुलिस महिला, हॉमगार्ड पुलिस, हामगार्ड महिला, एन सी सी, महिला एन सी सी, स्क्वाट एवं गैड के अलावा अरुण एस राय, राजस्थान पुलिस एवं एस पी एस आर जवान विहारी बैंड की दुकानिया शामिल थी।

संभागीय आयुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं उद्देश्यनीय सेवाओं के लिए 65 व्यक्तियों को प्रशस्ता पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

अलवर

स्थानीय इन्दिरा गांधी स्टेडियम पर गणतंत्र दिवस समारोह में जिला कलक्टर राजन विशाल ने ध्वजधरण कर मार्च पार्टी की सलामी ली। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर 43 प्रतिभाओं को मान्यता स्वरूप जिला प्रशासन की ओर से प्रशस्ता पत्र देकर सम्मानित किया गया।

समारोह में विभिन्न विभागों के बालक-बालिकाओं ने व्यायाम प्रदर्शन व उद्देश्यनीय कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की ओर से 5 क्रांतिकारियों का प्रदर्शन किया गया।
बाड़मेर
गणतंत्र दिवस का जिला स्तरीय समारोह स्थानीय आदर्श स्टेडियम में हस्ताक्षर के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि जिला कलक्टर विवृति सदर्द ने ध्वजारोहण कर पदेद का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली।
मुख्य समारोह में इस बार पैरा स्कैड्रिंग का आरक्षण प्रमुख रहा। इसके पश्चात छत्रांतों ने सामूहिक तोर नृत्य की प्रस्तुति दी। इसी कही में सनावाङ्ग, कमो का बांडा, जसोल एवं कल्याणपुर के गैर दर्शन द्वारा आरक्षक गैर नृत्य प्रस्तुत किया गया।
इसके बाद विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं सरकारी विभागों ने झाकियों का प्रदर्शन किया।
इस अवसर पर जिले में विभिन्न सार्वजनिक संस्थाओं तथा राजकीय कार्यालयों में भी राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

भीवाड़ा
भीवाड़ा जिला मुख्यालय पर 69वें गणतंत्र दिवस का जिला स्तरीय समारोह स्थानीय सुखाड़ा जोड़न विविध स्थान मनाया गया।
सामारोह में जिला कलक्टर अग्नि अयोध्या ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने मार्च पास्ट की सलामी ली तथा पदेद का निरीक्षण किया।
इस अवसर पर प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक तथा जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बूंदी
बूंदी में 69वें गणतंत्र दिवस समारोह हस्ताक्षर पूर्वक मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह खेल संस्थान में आयोजित हुआ। जिला कलक्टर शिवांगी स्वर्णकार ने ध्वजारोहण कर पदेद का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। मार्च पास्ट में राजस्थान पुलिस, होमगार्ड, एपसीएस (छत्र एवं छत्रा), नवोदय विद्यालय तथा स्कॉट-गाइड दर्शन ने भाग लिया। स्कॉटल छात्राओं की ओर से सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी गई। छत्र-छत्राओं द्वारा सामूहिक व्यायाम का प्रदर्शन भी किया गया।
समारोह में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) नरेश कुमार मालव ने राज्यपाल के संदेश का पत्र किया। इस अवसर पर उद्देश्यनीय एवं उत्कृष्ट सेवा करने के लिए 64 प्रतिभाओं को जिला प्रशासन की ओर से स्पष्ट चिन्ह एवं प्रशासनि पत्र देकर समानित किया गया।
चुरू

जिला खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्वरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि जिला कलक्टर लक्षित कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण किया।

समारोह में मुख्य अतिथि ने राजस्थान पुलिस, महिला पुलिस, होमगर्ड, एनसीसी, स्काउट व गाइड्स की दुकानियों की परेड का निरीक्षण कर मार्च पार्ट द्वारा सलामी ली। अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेन्द्र कुमार ने राज्यपाल के संदेश का पतन किया। मुख्य अतिथि ने स्वतंत्रता समारोहों एवं शहीद वीरंगनाओं का सम्मान किया तथा जिले में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 67 व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

दौसा

जिले में गणतंत्र दिवस का जिला स्वरीय समारोह राजेन्द्र पायलेट स्टेडियम दौसा के प्रांगण में मनाया गया। इसमें जिला कलक्टर नंदेश कुमार शर्मा ने ध्वजारोहण किया तथा परेड का निरीक्षण कर मार्चपार्ट की सलामी ली। पूर्व जिले में गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। राजकीय कार्यालयों तथा आमजन ने अपने निवास एवं प्रतिष्ठानों पर झण्डारोहण किया।

हंगरूपर

जिला मुख्यालय पर गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह स्थानीय लक्षण मैदान में प्रमुख उपहार हर्षोहारक अवसर मनाया गया। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर राजेन्द्र भट्ट ने ध्वजारोहण कर मार्चपार्ट एवं परेड की सलामी ली।

अतिरिक्त जिला कलक्टर विन्यास पार्ट ने राज्यपाल के संदेश का पतन किया।

इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनाओं का शाल ओझार अभिनंदन किया गया तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली हस्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह में विद्यालयों के बच्चों ने व्याख्यान प्रदर्शन कर देशमुक्ति व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

जैसलमेर

जिला मुख्यालय पर 69वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोहारस से समारोहसूर्यकाल मनाया गया। जिला कलक्टर कैलाश चंद भीमा ने सोनार दुर्ग की तलवटी पर स्थित शहीद पुत्र धीर स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर आयोजित परेड का खुलाली जिम्मी में छूटे होकर निरीक्षण किया। मुख्य अतिथि ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उत्कृष्ट एवं स्वतंत्र नेताओं के लिए 27 व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र एवं सभी विभिन्न प्रदान कर सम्मानित किया।
जालोर

जिला मुख्यालय पर 69 वां गणतंत्र दिवस समारोह होणार के साथ मनाया गया। मुख्य समारोह शह भूपलीजी नेहरूजी स्टेडियम में सम्पन्न हुआ जहां पर जिला कलकार बी.एल. कोठारी ने ध्वजारोहण किया।

मुख्य समारोह में अतिरिक्त जिला कलकार नरेश बुलकर ने राज्यपाल के आम जनता के नाम संसद का पदन मनाया।

जिला प्रशासन ने विभिन्न क्षेत्रों में उद्धेकनीय कार्यों के लिए 40 व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

झालावाड़

जिला मुख्यालय पर 69 वां गणतंत्र दिवस समारोह होणार से मनाया गया। जिला राज्यीय समारोह जी मेहरी परेड प्रारंभ में जिला कलकार डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

जिला कलकार ने राष्ट्रीय पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली और विभिन्न क्षेत्रों में उद्धेक कार्य करने वालों अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, नागरिकों, संस्थाओं द्वारा 78 प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

सुपुर्खूँ

जिला मुख्यालय के स्फर्ण जयंती स्टेडियम पर आयोजित 69वें गणतंत्र दिवस समारोह में उद्धेक एवं सराहनीय कार्य करने वालों को मुख्य अधिवक्ता जिला कलकार द्विप्रेक्षा कुमार यादव ने सम्मानित किया। समारोह के दौरान अपर कलकार मुनीराम बगड़प्पा ने राज्यपाल के संसद का वाचन किया।

जिला कलकार ने परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली और पुलिस बैंड ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और गार्ड ऑफ़ ऑफ़ इक्वेस्ट दिया। सैनिकों और शहीदों के इस जिले में हस्तलक्ष मुहारक अति को शौर्य चक्र से सम्मानित किया।

जिला कलकार ने जिला स्फर्ण जयंती स्टेडियम में आर आर अस्पताल के सौजन्य से बेटी-बच्चों को साफ़ करने के लिए शिक्षा और अस्पताल में विभिन्न कार्य करने के लिए वैन को हरी झंडी दिखाकर रखाया।

करोली

जिले भर में 69वें गणतंत्र दिवस समारोह होणार के साथ मनाया गया। जिला राज्यीय मुख्य समारोह भूपलीजी जिलोकवान्द माधुर स्टेडियम में आयोजित किया गया जहां जिला कलकार अधिमंथु कुमार ने ध्वजारोहण कर मार्चपास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उद्धेकनीय कार्य करने पर जिले की 19 प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिरिक्त जिला कलकार राजनारायण शर्मा ने राज्यपाल के संसद का पदन मनाया। समारोह में जिले की शहीद वीरगानों को मुख्य अधिवक्ता ने शौर्य श्रेणी सम्मानित किया।

नागर

जिला मुख्यालय पर राज्यीय स्टेडियम में आयोजित 69वें गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में मुख्य अधिवक्ता जिला कलकार कुमार पाल गोरखा ध्वजारोहण किया।

ध्वजारोहण के बाद मुख्य अधिवक्ता ने परेड का निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। मार्च पास्ट में होमार्ड़, एन.सी.सी. डेट, सीनियर और जुलूसीयर स्कूल एवं गाइड, छात्र-छात्राएं तथा भूपंदुए सामने आए। राज्यपाल के संसद का पदन अतिरिक्त जिला कलकार अशोक कुमार ने किया।

गणतंत्र दिवस पर राज्यीय स्टेडियम में विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा भी प्रस्तुति दी गई।
पाली

जिला कलक्टर सुधीर कुमार शर्मा ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर पाली जिला स्टीव्य प्रमुख समारोह बंगल रेडियम में ध्वजारोहण किया तथा मार्च पास्त का निरीक्षण करने के बाद पंडर की सलामी ली।

समारोह में आर.ए.सी. राजस्थान पुलिस पुरुष, महिला पुलिस, पुरुष व महिला होमङ्ग, ए.सी.सी., स्काउट व गाइड की टुकड़ियां ने राजस्थान पुलिस बैंड की धूम के संदर्भ से कदम से कदम मिलाकर मार्चपास्त करते हुए मुख्य अधिकारी की सलामी दी।

अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीदार बिश्नोई ने राज्यपाल का संदेश पदन किया। इससे पूर्व शहीद स्मरण पर जिला कलक्टर ने नशी को मना कर शहीदां आत्मिक प्रति की। जिला कलक्टर निवास एवं जिला कलक्टरदेश परिसंस्थित में जिला कलक्टर के ध्वजारोहण किया। विभिन्न सरकारी, औरधिकारी और अन्य संस्थाओं में भी गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया।

चित्रोहार

जिला मुख्यालय पर इंदिरा गांधी रेडियम में जिला स्टीव्य मुख्य जनमेवारी हर्षवर्धन एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया।

समारोह में मुख्य अधिकारी जिला कलक्टर संभाली सहित एलियो ने ध्वजारोहण किया एवं पंडर किया निरीक्षण कर मार्चपास्त की सलामी ली। अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) नागरिक सश्र के राज्यपाल के संदेश के बावजूद किया।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में विभिन्न राजकीय कार्यालयों के बिशुद्ध सजा की गई। इसमें कामकाज कब्जा राज्य प्रतिष्ठान में प्रथम स्थान सामाजिक व्यायाम एवं अंदरुकातिव विभाग, द्वितीय रूप परिवार धर्मवादा एवं तृतीय स्थान पर जनवादियों अतिमार्गित का विभाग। यह जिन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर समापतित किया गया।

श्रीगंगानगर

गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह महाराजा गंगा सिंह रेडियम में समारोहपूर्वक आयोजित हुआ जिसमें जिला कलक्टर जनानाम ने ध्वजारोहण किया।

समारोह में मुख्य अधिकारी एवं जिला कलक्टर जनानाम ने मार्च पास्त का निरीक्षण किया तथा पंडर की सलामी ली। पंडर में आर.एसी. राजस्थान पुलिस, ए.सी.सी. जूनियर, एनसीसी सीनियर, पुलिस, हिंदुस्तान स्कूल, राजस्थान राज भारत स्कूल, एनसीसी छात्र, चौथी बहुलाम गोवरा कोलेज, युवनागर कन्या महाविद्यालय को टुकड़ियां ने भाग लिया।

समारोह में अतिरिक्त जिला कलक्टर (प्रशासन) नहरत बारह ने राज्यपाल के प्रेमोद्यावासियों के नाम संदेश का पदन किया।

राजस्मंड

जिला स्टीव्य गणतंत्र दिवस समारोह राजकीय श्री बालकृष्ण उद्भवन विभाग प्रवास ने बदल में हुआ अगर जिला कलक्टर पी.सिंह। जेनवार 4 नवंबर के लिए जिला कलक्टर के तहत राजस्थान पुलिस बैंड प्रथम, राजस्थान पुलिस बैंड व राजस्थान गृह स्थान पर हो।
गणतंत्र

प्रशासन की ओर से 61 प्रतिभाओं को प्रशासनित पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर शहर के 1200 छात्र-छात्राओं ने सामूहिक पीटी एवं व्यायाम प्रदर्शन किया।

समारोह में अतिथियों ने स्वतंत्रता सेनानियों सर्वश्रेष्ठ लीलाधार गुर्जर, रामचंद्र बाणी एवं मननमोहन सोमविका को श्रीफल, रजत पदक में रह तथा शौल ओझाकर सम्मानित किया। राज्यपाल का संदेश बाँटने अतिरिक्त जिला कलक्टर बृजमोहन बैराम ने किया।

गौहालपुर

69 वां गणतंत्र दिवस जिले में हरमड़ा वाले से मनाया गया। अंर ए सी परेड ग्राउंड पर हुए जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि जिला कलक्टर श्री व्यापारी ने झंडारोहण कर मार्च पासट की स्लामारी ली एवं परेड का निरीक्षण किया।

मुख्य अतिथि ने परेड में शामिल राजस्थान पुलिस, राजस्थान सरकार पुलिस, राजस्थान गृह सचिव के साथ नेशनल केडेट कोर, रक्षावर्धन एवं गृह सचिव की दुकानों का निरीक्षण किया। समारोह में अतिरिक्त जिला कलक्टर हरमड़ा वाला ने राज्यपाल के संदेश को मदद में लिया। समारोह में मुख्य अतिथि ने शहीद राजेन्द्रमण कमल सिंह की बीवीनाना सुसिदेवी देवी और शहीद लांस नायक कमलनाथ सिंह की बीवीनाना चौराही देवी को शौल ओझाकर सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जिले की 34 प्रतिभाओं को प्रशासन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त भिक्षुका एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 3 आशा सहयोगियों की प्रमाण पत्र और चैक तथा प्राधिक स्वास्थ्य केन्द्र, आंग्य को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। समारोह में 17 आकर्षक झाँकियों का दर्शन किया गया।

सवाई माधोपुर

69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में जिला कलक्टर के सह. वर्मा ने ध्याजरोहण कर तिथियों को सलामी दी। ध्याजरोहण के साथ ही पुलिस
जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, छात्र-छात्राएं आदि उपस्थित थे।

हनुमानगढ़

जिला स्टॅडियम में जिला कलेक्टर प्रकाश राजपूर्णित ने ज्ञानदारों किया एवं परेड का निरीक्षण कर मार्च पार्ट दी सलामी ली। इस अवसर पर सराहनीय सेवाओं के लिए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं समाजसेवी व्यक्तियों को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सिरोही

जिले में 69 वां गणतंत्र दिवस विविध प्रकार के देश भक्ति पूर्ण संगां लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से हर्ष, उमंग और उत्साह से मनाया गया।

अरविंद पेशेश्वरन ने आयोजित मुख्य जिला स्वतंत्र समारोह में जिला कलेक्टर संदेश नायक ने राष्ट्रीय ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और मार्च पार्ट की सलामी ली।

छात्र-छात्राओं द्वारा योग प्रदर्शन तथा राजस्थानी संगीत लोक सांस्कृतिक समाहोत नृत्य कार्यक्रम आयोजित हुए।

इस मौके पर विभिन्न विभागों की झांकियों निकाली गई इनमें प्रथम स्थान चिकित्सा विभाग, द्वितीय स्थान वन एवं तृतीय स्थान राजस्थान राज्य भारत स्कूल गाइड सिरोही की झांकी रही।

उक्त कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, आशा शहीदगिनी, गौरीशंकर, आदि के द्वारा मित्र मौजन के तहत प्रशस्त दानदाताओं को पुष्टिकर निर्देशित किया।

टोंक

जिला मुख्यालय के खेल स्टॅडियम ग्राउंड पर 69 वां गणतंत्र दिवस समारोह हस्तियालास पूरक मनाया गया। समारोह के मुख्य अध्यक्ष जिला कलेक्टर सुमेर सिंह यादव द्वारा मुख्य अधिनियम थे।

समारोह में आतिरिक्त जिला कलेक्टर लोकेश कुमार गौतम ने राजपथ का संदेश पट्टर पुरुषा। विभिन्न विभागों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा प्रस्तुति दी गई।

प्रतापगढ़

69वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यालय ग्राउंड में आयोजित मुख्य समारोह में कार्यवाहक जिला कलेक्टर हेमेन्द्र नायक ने ध्वजारोहण किया। राज्यपाल एवं परेड निरीक्षण ने पश्चिम उद्योगी सेवाओं के लिए 43 जनों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक विशेष देकर सम्मानित किया।

इस प्रकार सम्पूर्ण प्रदेश में गौरवमयी गणतंत्र दिवस धूमधाम व उत्साह पूर्वक समाप्त हुआ। प्रदेश में स्वल्पवयी बालक-बालिकाओं का उत्साह देखने ही सन्मान था। सभी जिलों में जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ अधिकारी, कर्मचारी एवं गणमान्य नागरिक संगठित उपस्थित थे। उक्त कार्य एवं सराहनीय सेवाएँ देने वाले अधिकारियों के साथ-साथ इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया।

जनवरी, 2018, राजस्थान सुनस
राज्य सरकार के 4 साल के सफल कार्यकाल की वर्षांग पर प्रदेश भर में 13 दिसम्बर से जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें जिले के प्रभारी मंत्रियों ने जन कल्याण योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अनेक प्रदेशवासियों लगाई गई और चार साल की सफलता की भरपूर सराहना की गई।

राज्य सरकार के 4 साल के सफल कार्यकाल की वर्षांग पर आयोजित समारोहों की शुरुआत मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने 13 दिसम्बर को झूंगुँवू जिले में की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद जो विकास कार्य 50 सालों में भी नहीं हुआ, जो काम हमने मात्र चार साल में कर दिखाए हैं। हमने सकारात्मक सोच, सकारात्मक काम और सकारात्मक ऊर्जा के साथ देश और प्रदेश के विकास का जो संकल्प लिया है उसे हर हाल में पूरा करेंगे। उन्होंने झूंगुँवू जिले के लिए 2 हजार 237 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के साथ ही प्रदेश के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए घोषणाएं की और कहा कि चार साल पहले जब हमने सत्ता संभाली थी तो बाद किया था कि राजस्थान का जोचा स्वाभाविक हम हर कीमत पर बांटेंगे। आज हम विकास के कई मायनों में देश के अन्य राज्यों से आगे हैं। हमने दिन-रात मेहनत कर राजस्थान के लिए यह मुकाम बनाया है।

उन्होंने कहा कि झूंगुँवू में राष्ट्रीय खेल संस्थान, पाटियाला की तरह पर क्रिकेट विश्वविद्यालय के स्थान पर राज्य क्रिकेट संस्थान की स्थापना की जाएगी। राज्य की सभी 15 खेल अकादमियों को इससे सम्बद्ध किया जाएगा।

जनवरी, 2018, राजस्थान सुजस
श्रीमती राजे ने कहा कि कुंभाराम लिफ्ट कैनल से हमने केवल 4 साल में पानी पहुँचाया है। हमने 172 करोड़ रुपए खर्च कर तारानगर से मलसीसर तक पाइपलाइन से पानी पहुँचाया और उसे शोधित कर झुंझुनूं जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों को दिया। अब क्षेत्र को काटिया 15 करोड़ 50 लाख लीटर पानी उपलब्ध होगा।

श्रीमती राजे ने कहा कि आज के बाद पहली बार 6,994 गांवों तक खेज़ल और 1,662 गांवों तक रस्सक पहुँचाई गई है।

प्रदेश के 16 जिलों के 6 हजार 994 गांव पेयजल से विभिन्न थे जिन्हें हमने पेयजल उपलब्ध कराया। इसी तरह 22 जिलों के 1662 गांव जो रस्सक से नहीं जुड़ा पाए थे, हमने उन्हें रस्सकों से जोड़ा। हमने कई सरकारी कॉलेज खोले।

हर रोज 25 फिमी रस्सक विकार

श्रीमती राजे ने कहा कि आज प्रदेश में प्रतिदिन 25 किलोमीटर रस्सक विकसित हो रही है। प्रदेश में हर ग्राम पंचायत में आदर्श विद्यालय की हमारी योजना के तहत आज 4 हजार 437 आदर्श विद्यालय विकसित हो चुके हैं। साथ ही अंग्रेजी माध्यम के विवेकानंद मोडल स्कूल भी शुरू हो रहे हैं।
किसानों को 58 हजार करोड़ के व्याज मुक्त फसली ऋण

युव्रज मंत्री ने कहा कि किसानों की खुशहाली के लिए हमने हरसंभव प्रयास किए हैं। पिछले चार वर्ष में हमने 58 हजार 210 करोड़ रुपए का व्याज मुक्त फसली ऋण दिया जो देश में एक रिकॉर्ड है। इस कार्यक्रम में हम 75 हजार करोड़ रुपए का व्याज मुक्त फसली ऋण देने।

हम श्रीमुंणि की 445 युव्रज बीरंगनाओं को विशेष पहचान पत्र जारी कर रहे हैं जिससे उन्हें राजकीय कार्यों में प्राथमिकता मिल सकेगी। श्रीमुंणि जिले के पूरे वैकल्पिकों के 1620 बच्चों को छात्रवृत्ति दी जा रही है। साथ ही सरकार के दृष्टिकोण के मुद्दे में भाग लेने वाले जिले के 1798 पूरे सेनियर एवं विद्यार्थियों को 8 हजार रुपए प्रतिमाह आर्थिक सहायता दे रही है।

श्रीमती राजे ने समारोह में जिले के 13 अन्य शहीदों की बीरंगनाओं और परम्परी चक्र विजेता शहीद पीलसिंह के घायल आमनकर को गलवार में देने का समर्पण किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री बेटी योजना में 9 प्रतिमाही बालिकाओं को समर्पित किया तथा भारत भर दुर्गम स्थानों को तहत 2 पशुपालकों को 40 हजार का चैक भेंट किया। साथ ही श्रीमुंणि जिले की 13 बालिकाओं को स्कूल की चाली एवं लॉप्टॉप देकर उल्लम्बन किया।

जिला विकास परिषद का विमोचन एवं प्रदर्शनी का अवलोकन किया बारे में समारोह में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित जिला विकास परिषद का विमोचन किया गया। मुख्यमंत्री ने सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगाई गई सुराज के चार साल प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

समारोह में पीढ़ियों एवं परिवहन मंत्री गौतम खन, खान राज्य राजीव राजस्त्र पाल टीटी, विकल्प एवं राजस्त्री मंत्री बंसीदार बायतिक, विद्यार्थी विकल्प बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजौर, अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष सुन्दरलाल काका, सांसद संचाल अहलावत, स्वर्णी सुमेशधनिक, संभागीय आयुक्त राजेंद्र सिंह, जिला भारतीय संघर्ष संदीप वर्मा, जिला कलक्टर दिनेश कुमार यादव, पुलिस अधिकारी मनोहर आमवाल, विद्यायक अभियोजक मोहन राजनिन्दिया, शून्यकरण चौधरी, नरेंद्र सिंह सहित अन्य जनप्रतितिनिधि एवं अंधकारी तथा बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।
झंझूनू में जनकल्याण की घोषणाएं
आयु सीमा 5 वर्ष बढ़ाई। एक लाख 40 हजार को सरकारी नौकरियां

- प्रदेश में विभिन्न सेवाओं में सीधी नौकरियाँ के लिए अधिक संख्या आयु सीमा 35 से बढ़ाकर अब 40 वर्ष होगी।
- एक लाख 70 हजार लोगों को 4 वर्षों में सरकारी नौकरियाँ दी गई। उन्हें त्यसमय में एक लाख 40 हजार सरकारी नौकरियां और दी जाएंगी।
- सड़क दुर्घटना में धातु व्यतिः को निजी और सरकारी अस्पतालों में 48 घंटे की निःशुल्क चिकित्सा।
- सरकारी अस्पतालों में हड़ताल रोगियों की एंजियोग्राफी निःशुल्क की जाएगी।
- एक जनवरी, 2018 से प्रदेश के सरकारी भूमि विकास बैंकों से किसानों को केवल 5.5 प्रतिशत ब्याज दर पर रुपये उपलब्ध होगा। अभी ब्याज दर 6.7 प्रतिशत है।
- और नेते वाले सभी किसानों का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना में आगामी 1 अप्रैल, 2018 से बीमा लाभ 6 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया जाएगा।
- मण्डल, गोट्टा एवं खेतीदार के अलावा 246 गांवों को मार्च, 2018 तक शून्य नहीं पेयजल उपलब्ध होगा।
- झंझूनू के उद्यमसहयोगी (प्रामाणी एवं शहीद) एवं वृहद, बिजली व सूरजयाद क्षेत्रों में पेयजल के लिए लगभग 1300 करोड़ रुपये की योजना जारी।
- पिलानी क्षेत्र में भी पेयजल के लिए गीपीआर का काम हास में लिया जाएगा। इसके लिए 3 करोड़ रुपये का प्रावधान कर रहे हैं।
- आदर्शआर्मी के भीतर भुगतान में 100 करोड़ की लागत से खेती, 125 करोड़ की लागत से मंडल तथा 60 करोड़ रुपये की लागत से नवलगं, एवं 237 करोड़ रुपये खर्च कर झंझूनू में पेयजल और स्वच्छ रेच के काम होंगे।
- साहकारिता के माध्यम से जैनरल दूरा के लिए चरणबद्ध रुपये से 200 प्रधानमंत्री जन औषधी केंद्र खोले जाएंगे।
- किसानों को कोरौं लिए ट्रैकिंग बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 190 करोड़ रुपये की लागत से सभी पैक्स का फ़ाइनेंसियल सेवा करने का कम्प्यूटर रेक्कर्ड्स बना दी जाएगा।
- 150 करोड़ रुपये से 1000 नवीन भूमि चिकित्सक उप केंद्रों व 100 पशु चिकित्सकों की भवन निर्माण करवाया जाएगा। झंझूनू, जिले में 47 केंद्र खोले जाएंगे।
- एसएसएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर एवं सम्बद्ध चिकित्सालयों में 25 करोड़ रुपये के उपकरण खरीद लिया एवं निर्माण कार्य करवाया जाएगा।
- अण्ग, भीलवाड़ा, चूरू और बौबारी जिले में 9 करोड़ रुपये प्रति चिकित्सालय की लागत से 50 बैंड वाले एकीकृत आयुष चिकित्सालय खोले जाएगे।
- स्वतंत्रता के पश्चात शहीद हुए सैनिकों का नाम से विधायक एवं गौरव पथ का नाम करण किया जाएगा।
- आजादी के बाद शहीद हुए सैनिकों के परिवार के एक सदस्य को राजकीय सेवा में नियुक्ति दी जाएगी।
- ईंधन गांवों में भूमि आवंटन का निर्णय हुआ था फरवरी आदेश जारी होने से पहले जिनकी मुद्दा हो गई थी अब उनके आश्रितों को भूमि का क्रम किया जाएगा।
- राजस्थान में राजस्थान आवास मंडल के जो आवास अभी तक आवंतित नहीं हैं उन्हें आवंतित किया जाएगा।
- राजस्थान बैक संस्थान, पत्रिकाओं की तरफ पर किराया में राजस्थान की स्थापना की जाएगी। सभी 15 अकादमियां इससे सम्बद्ध रहेंगी।
- झंझूनू के सैनिक स्कूल की स्थापना के लिए 184 करोड़ रुपये मंजूर।
- झंझूनू जिले में 47 नवीन भूमि चिकित्सा उपक्रेन्ट खोले जाएंगे।
परवन चढ़ी परवान

राज्य सरकार की चौथी वर्षगांठ का समारोह बारां में 6490 करोड़ की परवन बहुउद्दीशी सिंचाई परियोजना के शिलाप्लेक्स सहित 8487 करोड़ रुपये के विकास योजनाओं की सौगात लेकर आया। केन्द्रीय संगठन एवं दल संसाधन मंत्री नितिन गडकरी ने 15 दिसम्बर को बारां में आयोजित समारोह में राजस्थान को नये नेशनल हाइड्रे की सौदागर व स्वीकृति एवं उच्च पुरस्कारों की सौगात दी। इनका कार्य अगले चार महीने में शुरू हो जायेगा।

इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राजस्थान की इल्लिस गंगी नहर की शीर्ष परियोजना की सौगात जारी कर दी। जलद ही वे राजस्थान, हरियाणा, पंजाब तथा दिल्ली के बीच अंतरराष्ट्रीय जल विवादों को दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि मुम्बई के सरपंच पानी का उपयोग राजस्थान कर सकेंगे, इससे लेकर भी वे काम कर रहे हैं।

गडकरी ने कहा कि अब नहरों के लिए किसानों की जमीन अब नहीं दे सकते हैं।

पुरुषमंत्री श्रीमती दुसुम्नारा राजे ने इस अवसर पर कहा कि हाड़ीटी की लाइफस्टाइल परवन सिंचाई परियोजना को रुकावट में बदलने के लिए हमने दिन-रात एक कर दिया और नतीजा आया आपके सामने है। परवन का पानी अब जलद ही हाड़ीटी के कोटा, बुरूं और बारां जिले के लाखों किसानों को लूट करेगा और यहां के सेक्टर गांवों की प्यास बुझाएगा।

परवन बदलने हाड़ीटी की भाषण छोड़ने पर वे बारां, झालावाड़ और कोटा जिले के लिए जीवनरेंजन बनेंगे।

इस परियोजना में बनने वाले बंध की भराव क्षमता 490 मिलियन घन मीटर है। इसके पूरा हो जाने पर 317 मिलियन घनमीटर पानी सिंचाई के लिए मिलेगा। परियोजना का पहला चरण पूरा होने पर कुल 313 गांवों की 1 लाख 31 हजार 400 हेक्टेयर भूमि की सीमाओं पर लटकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सिंचाई तंत्र को मजबूत बनाने हमारी प्राथमिकता रही है। हमने इंदिरा गांधी नहर परियोजना सहित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं पर 5 हज़ार 633 करोड़ रुपये
किसानों को बना रहे आत्मनिर्भर

श्रीमती राजनीति ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश के किसान आत्मनिर्भर बने। इसके लिए सरकार ने सार्थक मुद्दे पर 1 लाख 74 हज़ार 232 किसानों से अब तक 1 हज़ार 41 करोड़ की 3 लाख 18 हज़ार 357 मीट्रिक टन सोयाबीन, उड़द, मूंग और मुंगफली खरीदी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बारां जिले में हमारी सरकार ने इन 4 सालों में विकास के लिए 3787 करोड़ रु. स्वीकृत किए। आने वाले साल में बारां और झालावाड़ की कोई ग्राम पंचायत ग्रामीण गौरव पद से वंचित नहीं रहेगी।

इस अवसर पर पीड़ितबुद्धि मंत्री युनुस खान, कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, जल संसाधन मंत्री डॉ. रामप्रताप, खाद मंत्री बाबूलाल वर्मा, सांसद दुष्यंत सिंह, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सुमन शर्मा, जन आयाम अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष श्रीकृष्ण पादीदार, नडी बेरियन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्रीराम वेर्चरे, वरिष्ठ बोर्ड के अध्यक्ष प्रेमनारायण गालव, संसदीय सचिव नरेन्द्र नागर, सांसद ओम बिल्ला व अन्य जनप्रतिनिधियों उपस्थित थे।

ब्यय कर करीब 50 हज़ार हैवेटेन्यर क्षेत्र में अतिरिक्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई गई है। चम्बल नहर प्रणाली में 383 करोड़ चम्बल की बांधी मुख्य नहर के लिए 171 करोड़ रु. और बांधी नहर की नरमत के लिए 294 करोड़ रु. स्वीकृत किए। माही, चम्बल, राबरमली, लूपी, सूकली और पश्चिम बनास बेरियन में 540 करोड़ रुपये की लागत से सिंचाई व स्टोरेज टैंक तथा बीच खंड बनाए हैं। बड़ी सिंचाई परियोजनाओं में 852 करोड़ रुपये की धौलपुर लिफ्ट परियोजना का काम भी हाथ में लिया जा रहा है।
प्रधानमंत्री से मुख्यमंत्री की मुलाकात

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने 6 जनवरी को नई दिल्ली में मेंट की। प्रधानमंत्री के साथ श्रीमती राजे की यह शिष्टाचार मेंट थी। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के साथ राजस्थान से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। उन्होंने प्रधानमंत्री को नाथरास की श्रीनाथजी की पिछवाई भी मेंट की।
इजरायल सीखेगा राजस्थान से जैतून चाय बनाने की तकनीक

इजरायल के प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इजरायल राजस्थान से जैतून की प्रसंस्कृत चाय बनाने की तकनीक सीखेगा। यह बात उन्होंने अपनी भारत यात्रा के दौरान नई दिल्ली में 21 जनवरी को राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा राष्ट्रपति भवन में उनके रवानागत में पेश की गई जैतून चाय पीने के बाद कही।

उल्लेखनीय है कि यह चाय राजस्थान आलिया अपराजेय लिमिटेड द्वारा राजस्थान और इजरायल के संयुक्त उपक्रम में बीकानेर में उत्पादित जैतून से बनी थी। इजरायली प्रधानमंत्री ने इस चाय की प्रशंसा की और उसने जैतून उत्पादन और चाय प्रसंसकरण के बारे में जानकारी दी।

कृषि मंत्री प्रभुगाँव सेनी ने बताया कि देश के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद द्वारा इजरायली प्रधानमंत्री श्री बेंजामिन नेतन्याहू का रवानागत राजस्थान में जैतून चाय से कारण बनाए रखे गए देश की बात है। इन्हें गर्मी है कि इजरायल से हमें जैतून का प्लांटिंग मैंटेनिंग लाए थे वहाँ की प्रधानमंत्री हमसे जैतून चाय बनाने की तकनीक सीखने के लिए कह रहे हैं।

कृषि मंत्री ने बताया कि राज्य में जैतून की खेती की शुरुआत इस दस्तावेज के गत मार्च 2021 में हुई थी जब मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे के नेतृत्व में कृषि विष्कर्ताओं का एक दल इजरायल गया था। वहाँ से ही इजरायल ने जैतून चाय की तकनीक सीखी।

मुख्यमंत्री की केंद्रीय सड्क परिवहन मंत्री एवं रेल मंत्री से मुलाकात

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे ने 3 जनवरी को नई दिल्ली में केंद्रीय सड्क एवं परिवहन मंत्री नितिन राड्डू तथा केंद्रीय रेल मंत्री पीपुल्स गोवर्ड से मेंट की। उन्होंने सुनाया कि 2021 राजस्थान की विभिन्न सड़क एवं रेल परियोजनाओं का बारे में विस्तार से चर्चा की।

श्रीमती राजे ने केंद्रीय सड्क एवं परिवहन मंत्री से राजस्थान में वह रही विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लिए आवश्यक मदद शीघ्र उपलब्ध कराने का आयोजन किया। उन्हें गहरी हुई कि उनका मंत्रिमण्डल में सड़क विकास के लिए हस्तस्वरुप सहयोग मदद करेगा।

प्रदेश की रेल परियोजनाएं प्रथमिकता से पूर्व होंगी

मुख्यमंत्री श्रीमती राजे ने रेल भवन में केंद्रीय रेल मंत्री पीपुल्स गोवर्ड से मेंट की। श्रीमती राजे ने गोवर्ड से प्रदेश की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा कर लोक रेल परियोजनाओं के कारण रेल मंत्रालय एवं रेलवे बॉर्ड से वाचकता मदद के लिए आग्रह किया।

गोवर्ड ने उन्हें अभिज्ञता किया कि राजस्थान की रेल परियोजनाओं की प्रथमिकता से पूर्व करना जरूरी। इस परियोजनाओं की होने के लिए रेल मंत्रालय हस्तस्वरूप मदद करेगा।

आलेख : गोपेश्वर नाथ मुंक, अधि. निदेशक राजस्थान सूचना केंद्र, नई दिल्ली
धौलपुर लिफ्ट परियोजना का शिलान्यास
राज्य में एक भी सडक टूटी नहीं रहेगी – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती बसुन्धरा राजे ने कहा कि आगामी एक वर्ष में राजस्थान में एक भी सडक टूटी नहीं रहेगी।

उन्होंने कहा कि एक वर्ष में 2 हज़ार 300 करोड़ रुपये की लागत से 14 हज़ार 100 करोड़ लाभ की श्रद्धालुता सड़कों के विकास कार्य करवाए जाएंगे। प्रदेश में महत्वपूर्ण ईस्टर्न राजस्थान कैनाल परियोजना (ईआससीपी) की कार्य शुरू होगी जा रही है जिसकी क्रियान्वयन टिकटोरो गांवों के बाद पूरी राजस्थान में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी की कमी नहीं रहेगी।

श्रीमती राजे 22 दिसम्बर को धौलपुर जिले के मरैना में धौलपुर लिफ्ट सिंचाई परियोजना के शिलान्यास सहित लागत 1220 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के शिलान्यास एवं लोकार्थी समारोह में उपस्थित नजरबंद बनाएं को सम्मिलित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमने प्रदेशभर में टूटी हुई सड़कों की मरम्मत और नई सड़कों बनाना का बाद पाया था, इस बाद को हमारे चार वर्ष में 3 हज़ार 537 करोड़ रुपये खर्च कर 22 हज़ार 262 करोड़ सड़कों को नई करने का कार्य किया है।

सड़क पर उत्तरावण बराई जहाज

मुख्यमंत्री ने धौलपुर राजस्थान में नई सड़कों का अनुसार आद बनाएं के पास 1.8 किमी तथा 45 मीटर चौड़ी वाले 8.5 मिटर लंबी सड़क के लिए 37 हज़ार रुपये की लागत वाली ईआससीपी जल परियोजना की विस्तृत कार्यवाही के लिए केन्द्र को मेले जा दिया है। इस परियोजना से नवीनता, काणतिविक, मेज एवं वाण चालक सहित विभिन्न निर्मितियों के पानी की अधिकता जाने से रोककर सिंचाई और पेयजल के उपयोग में लाभ हो सकेगा।

इस परियोजना के कारण धौलपुर लिफ्ट एवं बांध लिफ्ट भी जुड़ेंगी और पूरी राजस्थान के 13 जिलों में किसानों को दूसरे फसलों के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा।

धौलपुर पाइपलाइन एवं सिंचाई अध्यादेश परियोजना

श्रीमती राजे ने कहा कि धौलपुर लिफ्ट परियोजना देश की पहली सिंचाई परियोजना है जिसमें 1600 करोड़ रुपये का नेटवर्क स्थापित किया जाएगा। कुल 852 करोड़ रुपये लागत वाली यह परियोजना वर्ष 2020 में पूरी हो जाएगी और इससे धौलपुर जिले का बाही, धौलपुर तथा राजस्थान के 234 गांवों के लिए पीने का पानी भी उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया कि इसमें केवल स्प्रिकर और एडाई जंगल संग्रह भी उपयोग किया जाएगा जिससे परियोजना में पानी को विनियोजित करने के लिए विद्यमान पानी आपूर्ति होगी।
शहकारिता के धौलपुर मॉडल को पूरे राज्य में लागू किया जाएगा – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती कुमुंदना राजेन्द्रने कहा कि धौलपुर में महिला स्वयं सहायता समूहों के सहकारिता से जुड़कर रोजगार सम्पर्कन और महिला सशक्तिकरण की दिशा में उज्ज्वलनीय कार्य किया गया है। धौलपुर मॉडल को राज्य के दूसरे जिलों में लागू करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। श्रीमती राजेन्द्रने 26 दिसम्बर को धौलपुर शहर में संचालित सहली बाजार का अवलोकन करने के बाद इस कार्य का आवश्यकता लिखा दिया जा रहा है।

नवाचारों से साकार करें डिजिटल राजस्थान – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती कुमुंदना राजेन्द्रने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से राज्य में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ा है। इससे सुविधाओं एवं सेवाओं तक आम जनता की आसमानी हुई है। उन्होंने कहा कि डिजिटल एवं हैकर्नेशन जैसे आयोजनों से प्रदेश के युवा उद्यमियों के प्रोत्साहन मिला है। इन्होंने कहा कि डिजिटल राजस्थान के तहत सुविधाएँ एवं सेवाएँ उपलब्ध कर रहीं हैं। उन्होंने युवाओं के आदान किया जा सकता है।

श्रीमती राजेन्द्रने 3 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट फ्लोर को मुख्यमंत्री निवास पर स्मार्ट 43
धौलपुर के 40 गांवों में मिल्क चिलिंग सेंटर की स्वीकृति

मुख्यमंत्री श्रीमती कुषुमन्द्रा राजे ने महिला सशक्तिकरण तथा डेयरी विकास के लिए धौलपुर के 40 गांवों में मिल्क चिलिंग सेंटर की स्वीकृति की। उन्होंने 2 जनवरी को धौलपुर की रिजर्व पुलिस लाइन में सर्वश्रेष्ठ महिला विकास सहकारी समीक्षा लिमिटेड की पदार्थकारियों और कार्यकर्ताओं को जिले के 40 गांवों में मिल्क चिलिंग सेंटर की स्थापना के लिए राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन के स्वीकृति आदेश सीरे पर। उन्होंने कहा कि इससे राजस्थान में ग्रामीण महिलाओं की सशक्तिकरण पर महत्वपूर्ण वृद्धि होगी।

श्रीमती राजे ने कहा कि इन गांवों में चरणबद्ध रूप से मिल्क चिलिंग सेंटर खोले जाएंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने 4.8 करोड़ रुपये स्वीकृतियां दी हैं। उन्होंने कहा कि इस्तेमाल करने पर राज्य सरकार समीक्षा को तकनीकी मदद उपलब्ध करवाएगी। प्रशासन में चिलिंग सेंटर पर अध्ययन अंतिम जोड़ी उपलब्ध होगी। ताकि मिलायी या कम गुणवत्ता का दूध उपयोगी रूप से ली जा सके। मददगार सहकारी दूध यूनियन इंडिया सेंटर से दूध को प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विकल्प उपकरण के लिए संकल्पित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के महिला सहकारी समूह में डेयरी व्यवसाय को नई उंचाई देंगे।

स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग सेंटर्स की पर्याप्त मॉनिटरिंग की जाए—मुख्यमंत्री

श्रीमती राजे 5 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास पर कौशल विकास की समीक्षा कैदी के दौरान कहा कि एक दिन में उन्होंने प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि स्किल डेवलपमेंट कौशल के तहत प्रशिक्षण देने वाले सेंटर को अधिकारी किया जाए ताकि उनकी पृष्ठभूमि की जा सके और उनकी पृष्ठभूमि का पता लग सके कि किस सेंटर पर कितने के लिए प्रशिक्षण है?

मुख्यमंत्री श्रीमती कुषुमन्द्रा राजे ने 5 जनवरी को मुख्यमंत्री निवास पर कौशल विकास की समीक्षा कैदी के दौरान कहा कि स्किल डेवलपमेंट कौशल के तहत प्रशिक्षण देने वाले सेंटर को अधिकारी किया जाए ताकि उनकी पृष्ठभूमि की जा सके और उनकी पृष्ठभूमि का पता लग सके कि किस सेंटर पर कितने के लिए प्रशिक्षण है?

श्रीमती राजे ने कौशल विकास कार्यक्रम में तेजी लाने और ज्यादा से ज्यादा सूचना प्रदान शिक्षा का उपयोग कर इसमें पारदर्शिता लाने के लिए कहा।

श्रीमती राजे ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम में राजस्थान सिस्टम सौंदर्य है और पूरे देश में प्रदेश की एक अलग पहचान काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि धौलपुर के 40 गांवों में मिल्क चिलिंग सेंटर की स्वीकृति की जाए।
इंडिया इंडस्ट्रियल फेर लघु उद्योग अर्थव्यवस्था का आधार – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने 6 जनवरी को जयपुर में एनएमएसएसएल में लघु उद्योग अर्थव्यवस्था निर्माण के लिए उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि इन्हीं छोटे-छोटे उद्योगों में बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करने की क्षमता है। श्रीमती राजे ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश में लघु उद्योगों को एक नई दिशा मिली है।

राजस्थान में भी भूमध्य एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए एनएमएसएसएल पॉलिसी की गई है। जिसमें छोटे उद्योगों को कई तरह की सुबिधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

उन्होंने कहा कि एनएमएसएसएल गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2014, राजस्थान स्टार्टअप पॉलिसी 2015 तथा राजस्थान रिसिक माइक्रोएन्ड स्मॉल एंट्रेप्रायज्ञ स्कीम 2015 सहित कई योजनाएं लागू की गई हैं।

चित्तौड़ दुर्ग और विजय स्टम्भ का होगा संरक्षण

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे ने कहा कि राज्य सरकार चित्तौड़ दुर्ग के लिए विश्रामिक किया तथा विजय स्टम्भ के संरक्षण का काम करेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के सहयोग से विजय स्टम्भ के संरक्षण का काम हाथ में लिया जाएगा।

इसके साथ ही यहां आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए चित्तौड़ किले में 12 किलोमीटर के रिंग रोड की चौड़ाई बढ़ाने और इस पर डायमंड कर्फ्युल का काम शुरू कर दिया गया है।

श्रीमती राजे 7 जनवरी को चित्तौड़ दुर्ग में संत समाधान एवं आश्रीवाद समारोह के अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित अनेकांकूरों को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि 6 करोड़ की लागत से गम्भीरी नदी पर बनने वाले हाई लेवल ब्रिज शहरों में यातायात सुनिक्षेप हो सकेगा और लोगों को शहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि जिले के प्रमुख धार्मिक स्थल मातुकुलन्दिया में साठ 4 करोड़ रुपये के विकास कार्य होंगे। जनवरी में इस काम के टेंडर कर दिए जाएंगे और फरवरी में उस काम के आगे अभी भी कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर की ब्रम्हवती नदी के सीमार की ठहर कर जिले की गम्भीरी नदी के सीमार का काम भी किया जा सकता है। इसकी सम्माननाएं तत्काली जा रही है।

जनवरी, 2018, राजस्थान सूचना
आदिवासी किसानों को मिलेगा माही और जाखम का पानी – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे ने कहा है कि राज्य सरकार प्रदेश के जनजाति क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जयमंड श्रील को साल भर पर्याप्त रुझान के लिए माही और जाखम नदियों का पानी लाने की योजना बनाई गई है और इसकी दीपिका के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि जारी कर दी है।

श्रीमती राजे 7 जनवरी को उदयपुर जिले के सलूम्बर में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को समर्पित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जनजाति क्षेत्र के विकास की दिशा में राज्य सरकार कोई क्रिया नहीं रख रही है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में मंदिरों के विकास पर 500 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसी के तहत आदिवासियों के प्रमुख आश्रय धाम मानगढ़ पर भी विकास कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने 362 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उन्होंने 240 करोड़ की लागत से बनने वाले सलूम्बर–उदयपुर में ग्रामीण रुप से उन्नति प्राप्त करने के लिए रुजू किया।

भावी पीढ़ी का चरित्र निर्माण करने वाली हो शिक्षा: मुख्यमंत्री

श्रीमती राजे ने कहा कि रत्न विश्वास बांसवाड़ा, गोपालगंज जिले के कोठारा गांव में एक विद्यालय का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि जयमंड को साल भर पर्याप्त रुझान के लिए माही और जाखम नदियों का पानी लाने की योजना बनाई गई है और इसकी दीपिका के लिए राज्य सरकार द्वारा राशि जारी कर दी है।

श्रीमती राजे ने कहा कि जनजाति क्षेत्र के विकास की दिशा में राज्य सरकार कोई क्रिया नहीं रख रही है।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे ने 8 जनवरी को बांसवाड़ा जिले के कोठारा गांव में एक विद्यालय का आधीतिक निर्माण किया। उन्होंने कहा कि बांसवाड़ा में नौकरी बुरी जनजातियों के लाभ के लिए नवनिर्माण समारोह का आयोजन किया।

मुख्यमंत्री श्रीमती वसुधारा राजे ने 8 जनवरी को बांसवाड़ा जिले के कोठारा गांव में एक विद्यालय का आधीतिक निर्माण किया। उन्होंने कहा कि बांसवाड़ा में नौकरी बुरी जनजातियों के लाभ के लिए नवनिर्माण समारोह का आयोजन किया।
जल स्वाभाविक बना राजस्थान

राज्य में मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान में शहरों में दूसरे एवं ग्रामिण क्षेत्रों में तीसरे चरण का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान (ग्रामिण) के तीसरे चरण का 20 जिलों तथा मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान (राजशही) के द्वितीय चरण का शुभारंभ 20 जनवरी, 2018 को 162 शहरों में जिलों के प्रमुख विधायिक एवं सचिवों द्वारा किया गया।

जयपुर

मुख्यमंत्री एवं जयपुर जिले के प्रमुख गुलाबकन्द कटारिया ने जयपुर जिले की चंदलयात समिति संगठन की मांग पंचायत रामपुरा जंती के राजकीय आईडिया जब माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान ग्रामिण के द्वितीय चरण को आरम्भ किया। उन्होंने बताया कि पंचायत समिति संगठन में तीसरी चरण में 1373 लाख रुपये से अधिक की लागत के 222 कर्मचारी जिले के जिले कराए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने जल स्वाभाविक अभियान के द्वितीय चरण में 215 ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण एवं सम्बंधित कार्य स्वीकृत किए हैं। इस के तहत 4 हजार 198 जल घरों के जल संरक्षण एवं सम्बंधित कार्य कराए जा रहे जिन पर 62 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

भरतपुर

संपाठियों आयुक्त सुबोध कुमार ने भरतपुर में मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान को शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान से पूर्व राज्य की 249 पंचायत समितियों में से 224 पंचायत समितियाँ भारत भारत 25 पंचायत समितियों का ही जल स्तर मापदंड के अनुसार था।

भरतपुर की चंदलयात समिति चंदलयात की मांग पंचायत सुनायी के नगर भारत के राजकीय आईडिया के खेल मेडिया में 20 जनवरी को आयोजित मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान के द्वितीय चरण के शुभारंभ पर उन्होंने कहा कि विभिन्न दो वर्षों में अभियान के दो चरणों के सफलतापूर्वक सम्पन्न होने के पश्चात राज्य की 91 पंचायत समितियों का जल स्तर कथा उठने के कारण वे डैक्टर्स से बाहर हुई हैं।

धीलपुर

मुख्यमंत्री जल स्वाभाविक अभियान के तीसरे चरण को प्रथम 2 वर्षों की भांति धीलपुर जिले में आमना का जोड़दार और संरक्षण मिला। अभियान के तीसरे चरण में शामिल 85 गांवों में 20 जनवरी को कटोरा 219 लाख रुपये लागत के 85 कर्मचारी शुरू हुए। सभी जगह आमना, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और मध्यमिक गुरुओं ने श्रद्धांजलि की। दिलास के समारोह में 5 लाख रुपये का जनता प्रदान किया। जिला विकास समारोह में 3.25 लाख रुपये आमना प्राप्त हुए, 80 हजार रुपये मशीन के खर्च और 95 हजार रुपये आम के पेटेट प्राप्त हुए। तीसरे
जल स्वास्थ्य

चरण में 85 गांवों में 19.76 करोड़ रुपये लगते के 2778 जल संस्थान कार्य हों। इन 85 गांवों में संपूर्ण और बसेजी के 19-19, रजाखेड़े के 18, धौलपुर के 15 तथा बाढ़ के 14 गांव शामिल हैं।

जिला स्वरूप समारोह में जिला कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती कुश्तिया राजा ने बेशकीमती जल को खेत और गांव में रोककर भु-जल स्तर बढ़ाने का महत्वपूर्ण ‘‘मुख्यमंत्री जल स्वास्थ्य अभियान’’ शुरू किया जिसके पहले चरण में 33 प्रामाण्यताओं के 115 गांव में 27.97 करोड़ रुपये की लगत के 1216 जल संस्थान संचालित बनाई गई। दूसरे चरण में 27.46 करोड़ रुपये की लगत के 2043 कार्य स्वीकृत हुए। इसमें 1945 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। अभियान की सफलता इस सारा जा सकती है कि अभियान में शामिल प्रत्येक गांव में जल स्तर में स्तर कम हेतु आर्थिक क है।

सीकर

जिले के प्रभारी सचिव डॉ. मनवीन सिंह ने नीमकाथना की नगर राजीवा परिसर में शहीद मुख्यमंत्री जल स्वास्थ्य अभियान के प्रथम चरण में 2.40 लाख रुपये की लगत से बनने वाले से बाद में सिस्टम एवं ग्रामीण क्षेत्र के बाद के पांच 4 लाख रुपये की लगत से स्वास्थ्य एकल के निर्माण कार्य को आवश्यक किया।

जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार तक्कल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लाला राजा में 70 करोड़ के 6600 कार्य और शहीद क्षेत्र में 4 करोड़ की लगत से 85 गांव क्षेत्र किया गया है।

उदयपुर

मुख्यमंत्री जल स्वास्थ्य अभियान के प्रथम चरण का उदयपुर जिले में आगाज मावारी की बढ़ावा पंचायत स्थित तिल्लू का नाम एकल के निर्माण कार्य के साथ हुआ। पंचायतीपर राजाजी में उदयपुर जिले प्रभारी मंत्री धनवंश रावत ने जिला स्वरूप समारोह में तीसरे चरण की शुरुआत की।

मुख्यमंत्री जल स्वास्थ्य अभियान (शहीद) के दूसरे चरण में वाटर हैक्टिंग ब्लूड स्तर पर वृक्षारोपण कार्य होगा। समारोह में प्रभारी मंत्री रावत ने बताया कि एमजीएसए (शहीद) के प्रथम चरण में आपातता परिसर समाप्त हो गए हैं। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में 85 लाख रुपये की लगत से 20 राजकीय भवनों पर वाटर हैक्टिंग का कार्य किया जाएगा और 82 लाख की लगत से शहर के बड़े शहरों एवं बड़ी क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्य होंगे।

चिंता जगाएँगे

चिंता जगाएँगे जिले के प्रभारी सचिव एवं उच्च मंत्री सचिव पंचायती राज विभाग नवीन महाजन ने जिले की पहेल क्षेत्र पंचायत समिति की ग्राम पंचायत नागरिक ने कि प्रथम क्षेत्र पंचायत नागरिक के बीजेपी जल स्वास्थ्य अभियान के प्रथम चरण का सुरक्षित किया।

जिला कलेक्टर नरेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जल स्वास्थ्य अभियान के प्रथम चरण के तहत जिले की समस्त 11 पंचायत समितियों में 60 प्रामाण्यताओं के 174 प्रामाण्यों में 59 करोड़ 19 लाख के विभिन्न कार्य की शुरुआत हो रही है।

बांसवाड़ा

जन स्वास्थ्य अभियान की राज्यसभाएं और बांसवाड़ा जिले के प्रभारी मंत्री भाषिल कपटा ने कहा कि ग्रामीण के दौर से समेत ने निर्माण के कार्य को विधान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत विषय और वाटर हैक्टिंग के अन्तर्गत मुख्य सचिव सुधीर सेठी ने कहा कि अभियान के विषय और वाटर हैक्टिंग के संक्षेप के साथ चरण किया जा रहा है।

कोटा

मुख्यमंत्री शहीद जल स्वास्थ्य अभियान के प्रथम चरण की शुरुआत कोटा के लाडुपुरा बाजार स्थित दुधारा मंदिर की बारी के दौर से आर्थिक किया जा रहा है। इन्हें कहा कि जल स्वास्थ्य अभियान के शहीद मुख्य सचिव सत्यरथि एवं जिला प्रभारी सचिव अलोक, जिला कलेक्टर नरेंद्र गुप्ता और आयुक्त नगर निगम डॉ. विवेक जिले परिवार अधिकारी, जनता प्रतिदिन एवं बड़ी संख्या में ग्रामपंचायत नागरिक उपस्थित थे।
जोसलमेर
मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान (शहरी) के द्वितीय चरण का समापन 20 जनवरी पुलिस लाइन में आयोजित हुआ।
इस मौके पर जिले के प्रमुख मंत्री अमरसागर चौधरी ने कहा कि जोसलमेर के बारिश्दे जल के महत्व को जानते हैं। प्रमुख मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने चार साल के कार्यकाल में राजस्थान देश के अन्य प्रदेशों के निर्माण में शुभार हो गया है।

जालौर
जालौर जिले के बिशनगढ़ में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तीसरे चरण को आयोजित करते हुए जिला प्रमुख हो. वन्ने सिंह गोहिल ने कीडर चैनल निर्माण कार्य व सरकी नाडी का पुनरुद्धार कार्य शुरू किया।

बूंदी
बूंदी में शहरी मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के द्वितीय चरण और ग्रामीण अभियान के तृतीय चरण की शुरुआत गोपालन राजमंत्री एवं बूंदी जिला प्रमुख ने अमरसागर चौधरी ने की। उन्होंने एमजीएसए शहरी की शुरुआत में वालदरसाड़ा में अभियान आयोजित कृषि प्रायोजना की शुरुआत अन्वेषण कार्यों के लिए शुरुआत अन्वेषण कार्य शुरु करने की।
अभियान के तृतीय चरण में 21 ग्राम पंचायतों के 72 गांवों में जल संसाधन के कार्य करवाए जाएगे। इनमें कुल 3234 कार्य का चयन किया गया है।

प्रतापगढ़
मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तृतीय चरण की शुरुआत प्रतापगढ़ जिले की अस्तःपद पंचायत समिति की जाजली ग्राम पंचायत में आयोजित हुई।

समारोह को सम्बोधित करते हुए राजस्थान नवी बैसिन एवं जल संसाधन योजना प्राधिकरण के आयुक्त तथा जिला प्रमुख राजीव एमजीएसए का वास्तु अभियान का दो चरणों के परिणामों का देखभाल हो ही तृतीय चरण को शुरू किया गया है।

पाली
केंद्रीय विधि, वायु एवं कॉर्पोरेट राज्य विधि पीपी चौधरी ने पाली जिले के रोहत ब्लॉक की कृषि अभियान चर्चा के उम्मीदवार गांव में एमजीएसए के तीसरे चरण के लिए तृतीय चरण की शुरुआत की।

शास्त्रीय दूरसंचार के दलील महाराज शास्त्रीय ध्वनि तथा विद्यायक आयोजन पर अनुभवकरता ने शुरुआत की। कलेक्टर सूची अनुभवकरता के जनरल चेयर्स के साथ-साथ पुलिस एवं जीएमजी के पायलत महाराज है।

राजस्थान
महाराज विवाक बोर्ड के अध्यक्ष एवं भीम विद्यायक हरीसिंह रावत ने राजकीय आयोजन उच्च माध्यमिक विद्यालय अभियान के खेत मैदान में आयोजित मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन के जिला स्तरीय कार्यक्रम में कहा कि इस अभियान के महत्वपूर्ण डिश में दायरा दायरा साहित्य निर्माता ने तृतीय चरण शुरू करने के साथ-साथ साहित्य पुस्तक, जीव-जंतुओं को भी रहस्य मिली है। प्रशासन संस्थान के दिशा में यह एक बड़ा काम हुआ है।

इंगरपुर
इंगरपुर जिले में मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान तृतीय चरण (ग्रामीण) का आयोजन कहारी गांव से हुआ वहाँ शहरी अभियान के आयोजन नवाकर्डा स्थिर नवाकर्डा पर शुरु हुआ।

शहरी श्रेष्ठ के समारोह में पी.एच.डी. राजमंत्री सुरील कहारा ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान को पूरे प्रदेश के लिए बताया।

करौली
करौली जिला कलेक्टर भूमिकन्नु कुमार ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तृतीय चरण की शुरुआत करौली जिले की करौली पंचायत समिति की उदाहरण कार्य का आयोजन कर दिया।

सवाई माधोपुर
सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर के लिए वर्मा ने सवाई माधोपुर जिले के तुलसि में जल भंडारण निर्माण की 23.95 लाख रुपये की लागत से पेयजल पाइप लाइन के निर्माण कार्य का शिलान्यास कर गुरुमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान के तृतीय चरण की शुरुआत की। उन्होंने बताया कि जिले में अभियान के अंतर्गत 28 करोड़ अस्त्री लाख के उच्च स्तरीय निर्माण कार्य प्रतिस्थापित है।
जल प्रबन्धन कार्यक्रम का प्रतीक
बाढ़मेर का बाटाडू कुआ

जल प्रबन्धन के मलस्थलीय क्षेत्र में “जल” की कमी सिद्धियों से रखती आई है जिस कारण से क्षेत्र में जल संरक्षण के विशेष योग किए जाते हैं। जल की कल्पना मात्र से ही मलस्थलीय में मनुष्य एवं जीव-जन्तुओं में गजब का उत्साह एवं उमंग हिली तोने लगती है। आदर्श में ‘पानी’ की प्यास में यहाँ के जन-जीवन को मौली तक भटकते देखा जा सकता था। बूंद-बूंद पानी को तरसते यहाँ के बाढ़मेरों से अधिक ‘जल स्वावलम्बन’ का महत्त्व कोई और नहीं समझ सकता है।

‘जल’ के इस प्रकार के जलन (कुशक नकशा) का एक उदाहरण पश्चिमी राजस्थान के बाढ़मेर जिले की बायातू तहसील के दूसरे बाढ़मेर गांव में देखा जा सकता है। संगमसर के पत्थरों पर कलामक नकशाएं (कार्विंग) कर बाढ़मेर गांव में बनाए गए इस प्राचीन पनथग कुएं का न केवल संपूर्ण सौदर्श बजे कि जल बचत एवं कुशल वितरण का प्रमाण भी ताम्चे कामिन है। ‘जल’ की महत्ता के प्रति पनथग निर्माणों एवं उपयोगकार्यों के अंशीस श्रद्धा वहां देखते ही रहती है।

बाढ़मेर कुएं का वास्तु तकनीकी देखें तो वह आम कुएं की तरह गोल न होकर चरपृथुषल आकृति की है। प्रत्येक भाग संगमसर के पत्थरों से निर्मित है। कुएं की जगत भूतल से 10 फीट की ऊंचाई पर गांव के मैदान के मध्य में निर्मित है। लम्बाई 60 गुणा 30 फीट के क्षेत्रफल के इस कुएं पर जाने के लिए पूर्व एवं पश्चिम दोनों दिशाओं में संगमसर की सीदियों निर्मित है। सीदियों के दोनों ओर की सीमा पर नकशादीय र स्तरम एवं पानीम तथा उफ्फर की सीदी पर दोनों ओर सुजान (अंजार) से लिखी ‘शेर’ की प्रतिमाएं बनी हुई है। पुजग का फन फूलाया हुआ मूंह शेर के मुंह की आर्द्र है।

शिल्प मनोरिशियों की कल्पना, हुनर एवं सिद्धांतकता के आधारण उदाहरण इस कुएं पर पुजग कोठा (टेक) निर्मित है। कुएं से निकला जल छ. फुट गहरे व बीस फुट लम्बे चौड़े विशाल मुख्य कोठा (टेक) में बहकर संग्रहित होता है। इस कोठे के मध्य भाग में संगमसर का एक मजबूत स्तरभ बना हुआ है जिसके कंगुरों की सुदरता देखते ही रहती है। इस स्तरम इस प्रकार एक बड़ी गर्भ गृह प्रतिमा स्थापित है जिसके नाक-नवशाँ एवं एक पंखों पर की गई बारीक नकशादीय शिल्पक निर्माण की प्रकृतिवादी आकृति का स्वर प्रस्फुटित करती है। गर्भ गृह प्रतिमा का कर्दम शिल्प एवं उस पर आरूढ लक्ष्मी-विष्णु मंदिर का सौम्य प्रकृति नन्ही छटा लिए हुए है। इस कोठे के चारों किनारों पर निर्मित चार कलामक स्तरभों पर पक्षियों की प्यास बुझाने व जल कीड़ा के लिए एक-एक बड़ी व्यापक आकृति बनी हुई है। कोठे के पृथ्वी भाग पर भावना श्रीकृष्ण व नवी माता के जुनाहाव कुण्ड के सम्बन्ध से अनेक प्रतिमाएं अनुदानित किए हैं।
इस कुंए की जल वितरण प्रणाली (तकनीकी) पूर्णतया वैज्ञानिक है व पानी का एक ब्यूटी भी व्याध नहीं जाती है। कुंए से जल निकालने के बाद पानी इसकी जगत के दाएं-बाएं दोनों ओर बने अन्तर की ओर कलामक फिरने वाली चौकी छोटी "खेलियाँ" (जल निकाल) में जाता है। कुंए के नृत्यों ओर के एक चौथाई भाग तक पानी निकाल करता है। उन्हें उठाने और स्थान के पत्थरों से ठहरा गया है। यहाँ से पानी आगे जाता है और तब तक तरफ के निकाल द्वारों की ओर जाता है।

ये निकाल द्वारा कलामक "बॉर" मुखों के रूप में निम्नहै। 'बॉरों' का मुख बाहर की तरफ "मोरियों" (जल निकाल) में खुलते हैं। इन "मोरियों" से प्रासाद महिलाएं अपने अपने घरों में पानी भरती हैं। कुंए से पानी निकाल कर सीधे ही घरों में भरते हैं। निकलने से पानी व्यस्थ में फॉल्कर कर बनाया जाता है। इस लिए इस अन्दरूनी स्थानीय तपास का स्थापन करुए पर किया गया। इस कारण कुंए की मुणेदर गली व फिसलन मुकाबल रहती है।

इन मोरियों से घड़े भरने के दौरान छलका पानी भी आगे छोड़े "होज" में निकल कर उठाया जाता है। वर्षाकाल में यह कम होता है। जहाँ से पानी तम्बे चोड़े विशाल मुख कोटे (टेक) में जाकर उठाया जाता है। इस मुख निकोट के तीन तरफ नीचे की ओर लेकिन धूल से कुछ उंची अन्तिम जल रेखा "खेलिया" (छोटे तम्बे टेक) में बनाया गया है। जहाँ मुख कोटे से पानी निकल कर उठाया जाता है व पशुओं के पीने के काम आता है। कुंए की जगत, फर्श, सीढियां, गोमुख, खेलियाँ, गुरुवार आदि इंदिरा भारतीय संगमरमर की प्रतिमाओं और प्रसंस्करण से निर्मित है। वैज्ञानिक पेयजल वितरण धर्मस्थल में न केवल समी को पानी मिल जाता था वही पानी के एक ब्यूटी भी व्यस्थ नहीं हो पाती थी।

राजस्थान (पूर्व मारवाड़ राज्य) के बादमेर जिला मुख्यालय से 45 किमी। उत्तर-पूर्व में अवस्थित इस बेंजोड़ कुंए की स्थापना का श्रेय पूर्व "सिंधिया" जानियों के रावल गुलाबसिंह को जाता है जिनके प्रयास से 75 वर्ष पूर्व सार्वजनिक हितार्थ इस "पनाह" का निर्माण करवाया गया।

तकलीफ़न दक्ष शिविरों ने अपनी अंगूठियों की कलाकारी, मृदिक्क की सजगता एवं कल्याण को संगमरमर के पत्थरों पर उठाया कर उन्हें जीवनस्तव प्रदान की है। पुराणों में वर्णित देवी-देवताओं व नायकों के स्वरूप का दिखावा करने वाली पनाह के दीवारों पर उनकी राजसिंह एवं अनुकूलताओं अनुष्ठान, समग्री व आनंद विभेद कराने वाली हैं। साथ ही पनाह को नैसर्गिक प्रभाव से स्वाभाविक बनाए हुए हैं। कुंए की अनुपम प्रसंस्करण का लक्ष्मी, श्रीशारण व भावभन्न भविष्य रानी से सराहन करती है। कोटे की दीवारों पर अनेक प्रतिमाओं के अनुपन से इसे कलामक बनाने का भूमध्य प्रयास किया गया है।

कुंए के कोटे (जल कुणड़) के पूर्व दिशा की दीवार के पृथ्वी भाग पर होते, बासुरी, बासुरी अन्तर्गत अक्ष के दोनों दिशा की नाचती गार्दी प्रतिमाओं को उठाया गया। बीच बीच में धार्मिक नदीकर भी बिखरकर लिए गए हैं। कोटे के पूर्व दिशा की दीवार के पृथ्वी भाग पर छ: सिंहों बाले रथ पर आकृति मा काली की मनोहरी राज किया सिंधियां की राजसिंह नियुक्तिकर व श्रीमाना भापुरी अनुमुकित है। इस रथ के आगे पीछे काला-गोरा बैल अपने अच्छी ही राह पर आता है तथा इसके आगे ओंकार में ब्रह्मचारी श्रीकृष्ण की प्रतिमा बनाई गई है।

आजादी से पूर्व के दृष्टि भे में पानी की महत्ता के साथ कलामक, सामाजिक सौहार्द एवं जल संपन्नता-वितरण की अनुपम तकनीकी की व्यवस्था अभियानिक रूप से, इंजीनियरिंग वास्तवमें विश्वसितों के भाव से मनोकामना आने भी संगमरमर के जल की महत्ता के लिए जन मानस के प्रवर्तक हैं।

आलेख : पी. आर. जिब्रेदी प्रामाणी, राजस्थान सुंदर केन्द्र, मुम्बई
राज्य के हैण्डमेड उत्पादों और खादी को देश दुनिया में मिला नया मुकाम

अलेख एवं छाया : डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

युपुर के हिन्दी वैलेस में आयोजित हैरिटेज वीक के तीसरे संस्करण में राजस्थानी हैण्डमेड और खादी का जलवा देखते ही बन रहा था। फैशन शो में आयोजित केटवाक के दौरान लाइडस, म्यूजिक और ड्रॉन कैमरों से लाइव हिट्स्ले के आयोजन में जहां एक और चार चादर लग रहे थे वहीं दुनिया भर के मीडिया समूहों के माध्यम से राजस्थानी हैण्डमेड उत्पादों और खादी परियोजनाओं पर फैशन की दुनिया की आंखें दिखी थीं। हैरिटेज वीक की खास बात ये थी कि चार दिवसीय समारोह का आगाज मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने स्वयं किया जिससे फैशन डिजाइनर्स की हौसला अफजाई हुई। वहीं इससे उनकी खादी और राजस्थानी हस्तशिल्प को देश-दुनिया के सामने लाने, नया मुकाम दिलाने और सम्बद्ध की प्रतिबद्धता स्पष्ट हुई। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे राजस्थानी हस्तशिल्प के संस्करण और सम्बद्ध के साथ ही खादी को अंतरराष्ट्रीय पट्ट पर लाने के लिए प्रतिबद्ध रहती हैं। इसी का परिणाम है कि आतिथ्यस्त के बावजूद श्रीमती राजे ने हैरिटेज वीक का श्रमार्थ किया वहीं वीक में हिस्सा ले रहे एक-एक डिजाइनर से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की।

आजादी के अंदोलन की पहचान रही खादी का राजस्थान से पुराना नाता रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो साल पहले
बीबी रसेल के राजस्थानी हस्तशिल्प से खास लगाय रहा है। इसी का परिणाम है कि वे राजस्थानी हस्तशिल्प को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान दिलाने के लिए प्रयास करती रहती हैं। वीक में उज्जवलक्ष्मी मंदिर का काशिम्बेवा, वेनेडूर राष्ट्र के साथ ही अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत में पहचान बने चुके राजस्थानी हस्तशिल्प हिजाइनस रोहित बाल, राजेश प्रताप सिंह, अब्दूल मजीद, रामकिशोर देवेंद्र, मुपारिम कुमार, अवधेश कुमार, सीताराम, नरसिंह अश्वरी, बिंद्रा सिंह आदि ने हिस्सा लेते हुए अपनी कला का प्रदर्शन किया।

साथ ही जयपूर और राजस्थान के फैशन की दुनिया में पहचान बना चुके और उन्हें पहचानना तरीका में वॉल्डर्सबेरी, अब्दूल मजीद, रामकिशोर देवेंद्र, मुपारिम कुमार, अवधेश कुमार, सीताराम, नरसिंह अश्वरी, बिंद्रा सिंह आदि ने हिस्सा लेते हुए अपनी कला का प्रदर्शन किया।

हेरिटेज वीक की साइक बात यह रही कि राजस्थानी टैक्सटाइल, आर्ट-क्रेस्ट, हैडरेसड ज्यूलरी, पेपरकार्ट, दाउँ प्रिंटिंग, एम्ब्रा डेशरी, ल्यूक प्रिंटिंग और हिजाइनस परिचालन की प्रदर्शनी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी।

राजस्थान नवीं डर्वलमेंट कामपोरेशन ने नयाबां खान के नेतृत्व में प्रदर्शनी में राजस्थानी परिचालनों की प्रदर्शनी लगाई। राजस्थानी खान, हैडरेसड, कोटा डोरिया सहित हस्तशिल्पियों द्वारा प्रदर्शनी में प्रदर्शित किए गए उपयोगों को लोगों ने खूब सजाया। राजस्थानी लोग संस्कृति से लोगों के जुड़वां की ओर से भागभाव जताता है कि प्रदर्शन स्थल पर रोशनीस्ताता जहाज रहने जाने वाले उन्हें साइटिज्म की होगी। वीक के दौरान आयोजित तकनीकी सत्रों में शिखरमाच्छारी और बुनकर्त्स द्वारा फैशन और हस्तशिल्प में समन्वय और बाजार की मांग के अनुसार समयानुसार बढ़ता पर उच्चतर चर्चा कर आयोजन का नया रंग दिया।

हेरिटेज वीक अगले किसी घटना की मोहताज में रहा। देश-दुनिया में राजस्थानी हस्तशिल्प की मांग बढ़ने लगी है वहीं राजस्थानी संगीत फैशन की दुनिया भी लोगों मानने लगी है। निश्चित रूप से इस तरह के आयोजन केवल आयोजन नहीं बल्कि दुनिया भर में मार्केटिंग और पहचान दिलाने में सहायक होते हैं। जो देश-दुनिया के लोग हेरिटेज वीक के दौरान प्रस्तुत होने वाले हस्तशिल्पों की प्रतीक्षा करते हैं। राजस्थान हेरिटेज वीक के आयोजन पर निगमों टिकाए रखते हैं।
निखरेंगे आस्था के धाम
आस्था की धरोहर को सहेजने के सार्थक प्रयास

राजस्थान में धरोहर तथा आस्था की धारा का महत्त्व प्राप्त हो रहा है। ताजमहल और कानपुर का काशीकाल जैसा तंत्र भी है, लेकिन धरोहर तथा आस्था कि कार्य का महत्व उनपर शक्ति है।

धरोहर के लिए निर्माण करने के लिए राजस्थान सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है। यह सरकार ने भारतीय राजस्थान सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है।

ब्राह्मणों ने धरोहर के लिए निर्माण किया है। यह सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया है।

जनवरी, 2018, राजस्थान सुजस
सरकार की इसी पुनीत मंशा के अनुरूप देवालयों व तीर्थस्थलों के सम्बन्धि विकास की योजनान्तर्गत 438 करोड़ के प्रस्ताव के-नौ फरवरी 2021 एवं संस्कृति में आत्मनिर्भर भारत को भिजवाए गए हैं। निवेश ही राजस्थान सरकार की उदार मंशा से राजस्थान के पटक को बढ़ावा मिलेगा और यहां का पुरातन धर्म-संस्कृति के वैभव की सुंगधिकरण होकर श्रद्धालुओं तक पहुँचेगी।

गोगाजी (गोगामेशी)
राजस्थान के सुप्रसिद्ध जन आस्था के प्रमुख स्थल गोगाजी (गोगामेशी) के सर्वगीर विकास के लिए वृद्ध कार्ययोजना तैयार की गई जिसमें प्रथम चरण में 18.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति के कार्य आरम्भ कर दिया गया है। इसी प्रकार राज्य के प्रत्येक प्रारंभिक मंदिरों के जीलीन्द्रीन्द्री एवं अन्य विकास कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई जिसमें से अधिकांश कार्य प्रारंभ किए हैं। इसी प्रकार मथुरा के गंगामंदिर के लिए 10.10 करोड़, श्री शक्तिमन्दिर के लिए 1.21 करोड़ तथा बिहारीजी मंदिर के विकास के लिए 1.82 करोड़ रुपए की स्वीकृति भी जारी की गई है। राज्य के 96 मंदिरों में 2080 करोड़ के विकास कार्य कराएं जा चुके हैं।

आलेख एवं छवियाँ: पवन कुमार शर्मा
सहायक सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी
उदयपुर

जनवरी, 2018, राजस्थान सुजन्स
कला का वैशिष्टिक इन्द्रधनुषी प्रदर्शन

आलेख : अमित कला (प्रसिद्ध कलाकार)

संवैदन्शिल कलाकारों के असीम सहयोग से अलग ही एक मुक्कमल मुकाम तय किया है।

इस भरे पूरे आयोजन में भारत समेत तरकीबन पवार से अधिक देशों के 202 कलाकारों ने 544 कलाकृतियों के साथ अपनी बहुमुखी प्रतिभा दर्शन करवाई। यहाँ सृजन की नाना विधाओं को प्रादर्शित और संदर्भानुसार बनाने के लिए देश भर से हजारों सड़कद्वार ने रविवार बांध पर शिखरक बनाया। इसमें बड़ी संख्या में कलाकार, कला-मर्म, कला-लेखक, पत्रकार, शिक्षक और विद्यार्थियों समेत आमजन भी समर्पित हुए।

आयोजन के इस पांचवें एडिशन का उद्घाटन सत्र भी बढ़े ही अलग अंदाज में संयोजित किया गया। इसकी शुरुआत शान्ति निकैतन्त्र से जुड़े देश के विभिन्न विभाग जोगेन जैवर ने मंच के मुख्य वायुदशीय में उपस्थित जनों के अवसर में रोशनी में जापानी इंक और ब्रश से रेखांकन करके की। इस पूरी प्रक्रिया को देखना सभी के लिए अपने आप में एक रोचक अनुभव रहा।

ला, संस्कृति और उत्सवों के शाह गुलाबी नगर जयपुर में पिछले दिनों सबसे सबसे मंच परिसर में अंतरराष्ट्रीय कला उत्सव ‘जयपुर आर्ट समिट’ का पांचवां वार्षिक आयोजन समाप्त हुआ जिसके पीछे न केवल कलाओं के विविध आयामों को अनुपम छटा एक साथ अपनी बालिक शिक्षक सभी तह की सरहदों को तोड़कर सौन्दर्य और संस्कृति की सम्पदा के असल हिस्सों को प्रतिबिंबित करता हुआ रंग-बिरंगा कला का समूही विराट इन्द्रधनुष अपने असीमित शैली के साथ जीने पर उतारता दिखाई दिया।

सांस्कृतिक उत्सवों, प्रदर्शनियों, शिक्षक-कार्यशालाओं, स्थापना यानि इंस्टालेशन विधा, शिल्प के अन्य आयामों, रेखांकन, कैलिग्राफी, स्वर-शब्द संस्कृति, फिल्म-फोटोग्राफी जैसे तमाम अनगिनत कलात्मक विषयों के सृष्टिकर्ता और विस्तारकों के संवर्गिज फहरस के प्रदर्शन से सरासर यह समिट दर्शनीय थी। ‘जयपुर आर्ट समिट’ ने पिछले पांच वर्षों में निश्चित तौर पर देश-विदेश के
केन्द्रीय लोकता अकादमी के अध्यक्ष, कृष्णा शेखर समेत परिपक्व शिल्पकार हिम्मत शाह, कला इतिहासकार प्रणव रंजन राय, गोविंद सरोज पाल, गीति सेन और आर्ट समिट के निदेशक शेखन्द्र महूर्त भी मंच पर उपस्थित रहे। यह अवसर पर प्रदेश के वरिष्ठ चित्रकार और कलाविद आर. बी. गौतम और भवानीशंकर शर्मा की जीवन पूर्वलिखित कला के क्षेत्र में उद्घाटनकार देने हेतु राजस्थान कलाश्री पुरस्कार दिया गया।

समिट में दिखी की प्रतिलिखित कला दीर्घा ही. ऐ द्वारा रबन्द्र मंच की मॉडल आर्ट गैलरी में देश की खुदाईनाम चित्रकार गोविंद सरोज पाल के अकादमिक निदेशन में ‘आंतर-गार्ड’ शीर्षक से एक बेहद आकर्षक प्रदर्शन लगाई गई जो कला व इतिहास की दृष्टि से महत्वपूर्ण थी। इसमें त्यस्तन सामाजिक समकालीन भारतीय चित्रकारों की पेंटिंग्स और स्कूपनर संगठित गए। इसमें से मिलाकर कलाकारों ने अपनी-अपनी मूर्ति-अमूर्ति शैलियों में बहीं काम भी शुरू किया। जो आगे पार दिखीं तो एक कला जीवन के रूप में चलता रहा। इसकी मार्गत कला में रुचि रखने वालों को देखा और उनको माध्यम से अन्य तकनीकी जानकारियों की भी सुमार ई थी। साथ ही आगामिकों की इन खुदाईनाम चित्रकारों से कई स्तरों पर रूपरेखा होने का सहज और भी मिला। शोभा चूड़ा, राजीव लोचन, जयसंत गुजरात, दत्तात्रेय आदि, फांडाबंडे, मनोज पुकंडले, जगन्नाथ पांडा, योगिक लोचन, डीएन रेश्मी और प्रदेश के युवा जिते आकाश चौधरी आदि इन कलाकारों में मुख्य रूप से श्रमित है। इन आयोजकों ने प्रभावपूर्ण कोठे और पारंपरिक ऐसंस्थे में देश के आमचीन चित्रकारों को भी विशेष रूप से आंकित किया। उन्होंने अपने अंतर्गत के रेखाओं और रंगों के माध्यम से कैनवास की सतह पर लेखा।

प्रभावपूर्ण कोठे और अपने अंतर्गत की प्रक्रिया को ही चित्र बनाने की संधि देते हैं। यह अपने आप में उनके अनूठे कलादर्शन के मर्म की व्यापक और व्यापकता अभिव्यक्ति है।

लंदन के क्रूर्टर विटोरिया बोनिफाटी और बारबरस के नवनीत रणा ने रवीन्द्रनाथ टेगौर की कविता की पंक्ति ‘बयार द मैमेड विद्वाटर फियर’ शीर्षक से एक अनुभूत कला जुड़ताई का सृजन किया जिसमें बुद्धि के जे. जे. स्कूल ऑफ आर्ट, कला भवन विश्वभारती कोलकाता और शान्ति निकेतन के 22 छात्रों के काम प्रदर्शित किए गए। ये अपने आप में एक अलग कस्म की प्रदर्शनी सबसे ज्यादा मंच के पिछले गलियारे से होते हैं। आपने एक डिजाइन नवाचें में जिसका काम जानने के कोने-कोने में देखा है तो यह देखा है। इसमें पेंटिंग्स, विद्वाटरों, जीवन, आदि उद्धारण से संगठित कलाकृति कई अर्थों में संवाद के नए आयाम अपने नैसर्गिक प्रारूप के साथ रचित नजर आई।

विद्वाटर ने अलग-अलग विद्वाटरों के आर्ट, रेखाकार, मिट्टी और पत्थर जैसे माध्यमों से बनाई गई कृतियाँ, ग्राफिक्स, प्रिंट, इंस्टैलेशन और फोटोग्राफी इत्यादि शामिल थे। इस पूरे उंड को सभी देखने वालों ने खुश सराहा जहां था, इसकी समस्याओं के साथ एक देखने और रचित करने की अक्कल अवश्यम भरी ही थे।

समकालीन कला के नए आयामों में इंस्टैलेशन यांनी स्थापन कला की अपनी एक अलग नुमाइदगानी है जिसका समूह ग्राहक दिख और विद्वाटर नये मार्ग देखने के लिए उनको आगे के जल्दी उनके सामने देख दिशा जाता है।

घायल विद्वाटर: अमित कल्ला
क्रम व्यवस्थि से लेकर समस्ज़िक तक स्पेस के अनुमोदन पर आधारित होता है जहां कत्या और कलाकार के बीच एक नया व्यक्ति गढ़ जाना लाजमी है। परीक्षण क्रम और स्मिता विश्वास द्वारा संकलिप ‘अक्रोण डाइनेरन’ के अंतर्गत पूरे परिसर में स्थान-स्थान पर इंडियन लगाय गए, जो दूर से ही देखते बनते थे। कार्यक्रम स्थल के मुख्य दरवाजे के तीन साइड जयपुर का इंडियन रेडियो शर्म ने फाइकर माध्यम में पिंड द्वारा इंडियन रेडियो शर्म के तीन पहलुओं को एक विशाल अंडूर के बीतर खड़े अधिनीर्वक के ऊपर खिलते हुए कमल की पत्तुंकियों पर फंसाते की फरोद की पेंटिंग बनाकर अपनी कलाकृति में दिखाया। साथ ही सी मन का उन तमाम सामाजिक बुनावटों की रस्तवों के विभिन्न पक्षों को बढ़े ही करते थे।

राजस्थान ललित कला अकादमी के अध्यक्ष अश्विन एम दलवी का कमालच रूपी इंडियन लगाय गया जो उनके द्वारा पृथक की संगीत विश्वास को मुख्य कला माध्यम में सहज प्रस्तुत के रखता है। वहाँ इंडियन स्थानीय गायक के बाएं बाइस्कोप और उसमें दिन भर चलने वाले एलटेंडरॉकेस को देखने के लिए चारों तरफ दर्शकों का हुलूमुलूम रहता था। विजुअल और परस्पररूप का संदर्भ मानने में संदर्भीयन माध्यम को अपनी स्थानान्तरक से एक बड़ा फलन दिया। इसके अलावा रूप से एक अवधि की कंट्रोल चुनाव द्वारा बनाई कलाकृति, निलेश और नंदी की कथाओं से सजी शीती जिसे उन्होंने ‘लस्ट फॉर हैवन’ नाम दिया। ऋतु दुआ का चाय तमाम, पत्तियाला के कुणाल बेदी की कला ओर्कल्स में, ज्ञान पर शार्लोट टोपियो का रंग गार्डन, विभिन्न बालकवाल का चूर्णित योग्य और एम ए आर्किटेक्टशर के चौपाल के आलावा बहुत सी लाभावल कृतियों के लिए कला परिमाण को सजी दिखाई दी।

साझेड़ ओर्कल्स ग्वार्डिंग्स के सौजन्य से अंतर्दर्शी क्यूरेटर डेनियल कोनेल द्वारा ज्ञात समता स्पेस के हिस्से की फ्रेमिंग में आर्किटेक्टशर के अंतर्गत बनाई गई थी। इसके संगठन के आयोजन से बाहर जयपुर के सिटी पैलेस यूनियन में बाकी एक विशेष क्रिया का अंतर्गत बनाई गई थी। ये कलाकृतियाँ इस आर्किटेक्टशर के आयोजन से पूर्व जयपुर के सिटी पैलेस यूनियन में बाकी एक विशेष क्रिया का अंतर्गत बनाई गई थी। इस प्रक्रिया में जेड नोल्स, जेसी लेम्स, जॉय फ्रेंश, हंसराज कुमार, हिमांड्रे व्यास, तामिना अंजुम, सुनीता शिखर, अंजली शेखावत, अमरनाथ विश्वास जैसे अन्य कलाकार भी शामिल रहे।

इसी क्रम में रेखा राणा द्वारा छिड़ाने ‘मिलांज’ कला प्रदर्शनी में देश विदेश के 30 बुद्धिमत्ता आर्किटेक्टशर के कम लगाय गए। यहाँ स्कैलर्स परेंट दोनों हो साथ-साथ प्रकट किये गए जिनका एप्सेंटैक्ट और डिस्पॉल का पता उनकी उपलब्ध थी। यहाँ कलाकृति को सुनिश्चित स्थान दिया गया जिससे वो उम्मीद सकते अपने यथार्थ परिसर से दूरस्थान संसद रहे हुए जैसे बाहर आ रहे थे।

अभिनव गौड, बाला गोपालन, वाहिना अंजुरेकर और अभिनव प्रजायति के शिल्प, उनकी उन वैश्विकता के बारे में गोरख, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, भंडारक, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, कानाडा, बंगाल, मिश्रित, भारतीय और अमर के विवरण पर अपने केन्द्रकर अपने केन्द्रक फ्रेम के साथ भावभरे संस्रोग की रचना कर रहे थे।

गोपालन के सुप्रीम आर्किटेक्ट सम्राट सुभाष के अभिनवगत स्थलग्राम के चापसन संसाधन को समर्पित आर्किटेक्ट इंडियन लगाय ‘बुद्धिमत्ता गांधी’ का परिकल्पित कर अपने आर्किटेक्ट फार्म में उतराने जो अलग-अलग को देखने के लिए लाभार्थों को एक नयी भाषा प्रदान करने वाला था, जिसे प्रेम रूप में मोबाइल फोन से नूतन प्रीम्यूजल करके देखा जा सकता था। दुखियाँ यह आर्किटेक्ट बड़ी संसाधन में इस ऑक्सिजनों को दुखिया के साथ समन्वय का एक सुन्दर कदम बनाता है।

हेमस्थान के जानी मानी लाइफ आर्किटेक्ट्रेस दिपाल शाह ने अपनी इंडियन लगाय तीन के साथ आर्किटेक्ट फ्रेम के दौरान हर दिन दो
लाइव आर्ट परफॉर्मेंस प्लान किए। जयपुर शहर के लिए पहली बार इतने बड़े पैमाने पर कला के इस विषय को देखने का अनुक्रम आरंभ हो दिलचस्प रहा। इसमें भारत सहित पोर्टिगल, जर्मनी, बालाकोट, नेपाल और सिंगापुर के कलाकारों का दबदबा बना रहा। स्मिता करियाप्पा और मैक्सूर के राहुल वोदियार की लाइव आर्ट परफॉर्मेंस कमाल की रही।

कार्यक्रम स्थान रविवार का बाहरी लॉन्च में लगभग बाहर देश के कैलिफोर्निया कलाकारों ने अपनी अभिनय कलम का लाइव डेमो दिया जिसमें भारत के अलावा-अलग-प्रांतों के कई कैलिफोर्निया आयोजकों भी मौजूद रहे। दूसरे कलाकारों के साथ उन्होंने भी अपनी-अपनी स्टूल सजाई जहाँ दिनभर कला रंगों को आवाजाही लगी रहती थी और इस बारीक हुआ को सीखने सिखाने का क्रम चलता रहता था।

बिन्दू कैलिफोर्निया और ऐस कला के क्यूबेटेक गारी युकूल हुसैन ने बताया कि जयपुर, टोक, भुटान, भूतान, अलीगढ़ और दिल्ली के अलावा अफगानिस्तान, उत्तराखंड, इस्लामाबाद, खिलाल मुसलमान और स्टिटरिडेक द्वारा कलाकारों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

लेकिन वे फैलदार में मुख्य भाग में फ़ॉक्स गायन, विशेषकर गहरे नीले रंग का एल्किजनशन का तरीका ब्रेकिंग था। फ़ॉक्स के विभिन्न और तारीखों में कृष्ण माता की जलक साफ दिखी है जिसे उन्होंने परस्पर रूप से अपनी तुलिका के मौर्तिक सेवन किया। बिन्दू और रेखा के रंग के नायक पकड़ और सबसे उनके द्वारा कला क्षेत्र में कोई गलत सच्चाई के संदर्भ की विस्मय करने वाली लक्षण है। मुख्य प्रेम द्वारा के कारण इस शिल्प का अलावा ब्रज भक्ति से ‘नवक्षेत्र’ पंडाल संयोजित किया जिसमें क्वाटर्स से संबंधित घरेलू वाले बुलिया ने कलाकारों को उनकी कलाकृतियों की नुमाश देती सुनिश्चित स्थान दिया गया।

मंच के मिनी आंदोलन में हर रोज दोपहर दो बजे से कलाओं पर बनी शॉट फिल्मों को दिखाया जाता था जिनमें शिल्पकार हिमांशु शाह ने बनाई गई फिल्म और जयपुर के हिमांशु व्यास की ‘कलमयुग’ दर्शकों द्वारा विशेष रूप से पसंद की गई। इस संस्करण में में दो देरों की कुल यात्रा लघु फिल्मों की सफलता की गई।

आंदोलन में हर रोज ही फिल्म सत्र के बाद बहु भागाओं में कला पर हिस्से किताबों की चर्चा होती थी। साथ ही ऐसे आर्किटेक्स के बौद्धिक इंस्टांलेशन पर देश-विदेश के कला विद्वानों, कलाकारों और समिति के दर्शकों और कलाकारों के प्रति में प्रेम द्वारा कला क्षेत्र में सहज पंजवाड़ के नए निर्माण के बीच पैदा हुए फालों का क्रम करता रहा।

उन्होंने इस भव्य आयोजन के हर शाम शाही संगीत के सूगों से सलीक थी तथा यहां संगीत भी दृश्य कलाओं के साथ समन्वय करता महसूस हुआ जिसकी शुरुआत विद्या शाह ने अपनी गतियाँ, दृष्टि और गजल मागों से ही। उज्जवल की रंग-रंग आवाज ने संगीत के स्वर लहराया बिखरी, बांसुरी गान अनेक अनुभवों के कारण इसका शुरूआत में भावना बायक ने और उन्होंने आयोजन की श्रेष्ठता के संगीत में फिल्म सत्र के विभिन्न पहलूओं पर चुनौति वर्तनी की जाती थी जिसका उद्देश्य कला जगत में सहज वितरण के नए पुनर्जीवन के बीच पैदा हुए फालों का क्रम करना रहा।

आयोजन के इस भव्य आयोजन की हर शाम शाही संगीत के सूगों से सलीक थी तथा यहां संगीत भी दृश्य कलाओं के साथ समन्वय करता महसूस हुआ जिसकी शुरुआत विद्या शाह ने अपनी गतियाँ, दृष्टि और गजल मागों से ही। उज्जवल की रंग-रंग आवाज ने संगीत के स्वर लहराया बिखरी, बांसुरी गान अनेक अनुभवों के कारण इसका शुरूआत में भावना बायक ने और उन्होंने आयोजन की श्रेष्ठता के संगीत में फिल्म सत्र के विभिन्न पहलूओं पर चुनौति वर्तनी की जाती थी जिसका उद्देश्य कला जगत में सहज वितरण के नए पुनर्जीवन के बीच पैदा हुए फालों का क्रम करना रहा।
लक्ष्मी नारायण मंदिर, आमेर

विष्णु को समर्पित इस मंदिर का निर्माण कछवाहा शासक
पृथ्वीराज की पत्नी बालाबाई ने सोलहवीं सदी में करवाया था। इस मंदिर
में गर्भगृह, अंतराल, स्तम्भयुक्त मण्डप तथा उर्फश्रोणों से अलंकृत सुन्दर
शिखर है। गर्भगृह की चौखट सुन्दर नक्काशी से अलंकृत है। मंदिर के
सामने चार स्तम्भों पर आधारित गरुड मण्डप है जिसकी छत गुब्बारकार
है। गर्भगृह में लक्ष्मीनारायण की युगल प्रतिमा स्थापित है।

–अलेख एवं छायाचित्र
जगदीश प्रसाद सोनी